

youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi
इंदौर, शनिवार, 07 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 51, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

धनतेरस पर इंदौर के बाजारों में बरसी लक्ष्मी: सोने पर भारी पड़ी चांदी की चमक

500 करोड़ का कारोबार



दीपावली तक बरकरार रहेगा खरीदी का उत्साह

मृदुभाषी। इंदौर

दीपावली और धनतेरस के पावन अवसर पर मिनी मुंबई कहा जाने वाला इंदौर शहर रोशनी और उत्साह से सराबोर नजर आया।

त्योहार की रौनक से शहर के बाजार दुल्हन की तरह सजे रहे, जहाँ अलसुबह से लेकर देर रात तक ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ती रही। इस बार ऑटोमोबाइल सेक्टर और सराफा बाजार में रिकॉर्ड तोड़ खरीदारी देखने को मिली, व्यापारियों के मुताबिक दोनों प्रमुख सेक्टरों में 500 करोड़ रुपये से अधिक का बड़ा व्यापार दर्ज किया गया।

बर्तन बाजार में जीवंत हुईं बरसों पुरानी परंपराएं

इंदौर के प्रसिद्ध बर्तन बाजार में बरसों पुरानी परंपरा एक बार फिर जीवंत हो उठी। व्यापारियों ने बर्तनों को एक के ऊपर एक सजाकर आकर्षक प्रवेश द्वार और कोठियाँ बनाई थीं, जिसे देखने के लिए खरीदारी के साथ-साथ बड़ी संख्या में आम लोग भी खिंचे चले आए। इंदौर के अलग-अलग बर्तन बाजारों की यह अनूठी और मनमोहक सजावट पूरे शहर में विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रही।

इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और बर्तन बाजार में भी धनतेरस पर दिनभर ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की।

ऑटोमोबाइल सेक्टर भी चमका

ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी इस वर्ष जबरदस्त उछाल देखने को मिला। ऑटोमोबाइल विशेषज्ञ प्रशांत सिसोदिया के अनुसार, टू-व्हीलर सेगमेंट में उम्मीद से कहीं बेहतर कारोबार हुआ है। इंदौर संभाग में इस बार कम बारिश के कारण शुरुआत में ग्रामीण ग्राहकी को लेकर आशंकाएं जताई जा रही थीं, लेकिन धनतेरस पर ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे खरीदारों ने बाजार को पूरी तरह गुलजार कर दिया। शोरूम्स से देर रात तक वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक सामान की होम डिलीवरी का सिलसिला चलता रहा।

सोने के मुकाबले चांदी की रही अधिक मांग

धनतेरस के मौके पर सोने और चांदी की दरों में आई नरमी का बेहद सकारात्मक असर बाजार पर दिखाई दिया। दामों में राहत के चलते ग्राहकों ने आभूषणों के शोरूम्स पर खूब खरीदारी की। हालांकि, इस बार सर्राफा बाजार में सोने के मुकाबले चांदी के सिक्के और आभूषण खरीदने में लोगों ने अधिक दिलचस्पी दिखाई। शहर के ऐतिहासिक सराफा बाजार में सुबह 9 बजे से ही दुकानों के शटर खुल गए थे। व्यापारियों ने ग्राहकों के भव्य स्वागत के लिए पूरे बाजार में रेड कार्पेट बिछा रखा था। रात तक दुकानों में पैर रखने की जगह नहीं रही। खरीदारी के लिए उमड़े इस भारी हुजूम और दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ को देखते हुए शुक्रवार को सराफा में प्रसिद्ध खान-पान की चौपाटी भी नहीं लगाई गई, ताकि यातायात और खरीदारी सुगम बनी रहे।

राहुल की पीएम को फिर बहस की चुनौती

अमित शाह जी प्रधानमंत्री को भ्रमित न करें



मृदुभाषी। नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती देकर देश की सियासत को गरमा दिया है। राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि वह किसी भी मंच पर, किसी भी समय और किसी भी स्थान पर प्रधानमंत्री के साथ बहस करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है कि वह प्रधानमंत्री को इस ऐतिहासिक बहस के लिए मनाएं और उन्हें भ्रमित करने का प्रयास न करें। राहुल गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर एक तीखी पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'अमित शाह जी, मोदी जी को भ्रमित न करें। बस उन्हें मेरे साथ खुली बहस के लिए मनाएं। किसी भी मंच पर, किसी भी समय। डरिए मत।' राहुल गांधी का यह हमलावर बयान गृह मंत्री अमित शाह की उस टिप्पणी के ठीक एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने बहस की चुनौती पर पलटवार किया था।

सीबीएसई ने जारी की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट

मृदुभाषी। नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट आधिकारिक तौर पर जारी कर दी है। बोर्ड द्वारा 6 नवंबर 2026 को अपनी आधिकारिक वेबसाइट्स cbse.gov.in और cbseacademic.nic.in पर परीक्षा का पूरा शेड्यूल अपलोड कर दिया गया है। समय रहते डेटशीट सामने आने से छात्रों को अपनी परीक्षा की तारीखों और विषयों के अनुसार अध्ययन की योजना बनाने और तैयारी करने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है।

घोषित शेड्यूल के अनुसार, 10वीं और दोनों कक्षाओं की मुख्य बोर्ड परीक्षाएं आगामी 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। छात्र और अभिभावक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी संबंधित कक्षा की पूरी डेटशीट डाउनलोड कर सकते हैं।

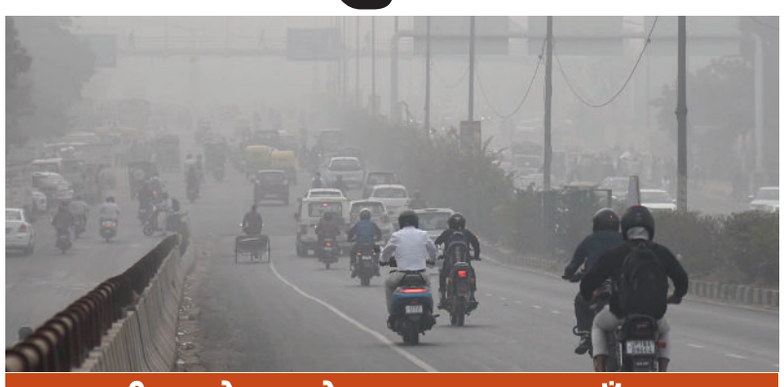
पाकिस्तान से आए पराली के धुएं ने बनाया 'गैस चैंबर

मृदुभाषी। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में दिवाली का त्योहार आने से पहले ही आबोहवा खतरनाक स्तर पर पहुँच गई है। दिल्ली की हवा को जहरीला बनाने में इस बार सरहद पार का 'पाकिस्तान कनेक्शन' भी सामने आया है। पड़ोसी देश पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बड़े पैमाने पर जलाई जा रही पराली का धुआं उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही हवाओं के साथ मिलकर दिल्ली के आसमान पर मंडरा रहा है। धीमी हवा और स्मॉग की घनी चादर के कारण पूरी दिल्ली इस वक्त मानो 'गैस चैंबर' में तब्दील हो गई है। रात होते-होते स्थिति और भी बिगड़ने लगती है, जिससे लोगों को आँखों में तेज जलन और सांस लेने में भारी तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है।

सोमवार तक 'गंभीर' श्रेणी में पहुँचने की आशंका: केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक, आने वाले दिनों में दिल्लीवासियों को इस जहरीली हवा से कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। सोमवार तक दिल्ली की हवा 'गंभीर' श्रेणी में पहुँचने की आशंका जताई गई है।

जहरीली हुई दिल्ली की हवा



इस सीजन के सबसे खराब स्तर पर पहुँचा AQI

रिकॉर्ड एक्यूआई (AQI): शुक्रवार को दिल्ली का ओवरऑल वायु गुणवत्ता सूचकांक 382 दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे उच्चतम और चिंताजनक स्तर है। यह गुरुवार के मुकाबले 13 अंक अधिक है।

घातक PM2.5 और PM10: शाम पाँच बजे हवा में अति सूक्ष्म हानिकारक कणों PM2.5 का स्तर 189.2 और PM10 का स्तर 329.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर मापा गया, जो तय मानकों से कई गुना अधिक है।

मौसम का अनुमान: भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) के अनुसार, शुक्रवार को 10 किमी/घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलीं। शनिवार को इनकी गति 15 किमी/घंटे और रविवार को हवा की दिशा बदलकर उत्तर-पूर्वी (गति 10-12 किमी/घंटे) होने का अनुमान है।

खेतों में आग लगाने की घटनाओं के आंकड़े

सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, 5 नवंबर को पराली जलाने की 154 नई घटनाएं दर्ज की गईं। 15 सितंबर से 2 नवंबर तक देश में कुल 3,535 जगहों पर खेतों में आग लगने के मामले सामने आए हैं।

पंजाब: सबसे ज्यादा 1,612।

अन्य राज्य: राजस्थान (738), मध्य प्रदेश (614), उत्तर प्रदेश (349), उत्तराखंड (176), हरियाणा (44) और दिल्ली (2) मामले दर्ज किए गए। भारत में पराली जलाने के मामलों में भारी गिरावट आई है। साल 2020 में इसी अवधि के दौरान आग लगने की 51,822 घटनाएं दर्ज की गई थीं, लेकिन इस बार सरहद पार पाकिस्तान से आने वाले धुएं और मौसम के मिजाज ने दिल्ली की सांसों पर संकट हो गया है।

ट्रम्प से दूरी बना रहे दिग्गज नेता

मिडटर्म में हार के बाद रिपब्लिकन में कलह

मृदुभाषी। नई दिल्ली



अमेरिका में हाल ही में संपन्न हुए मिडटर्म (मध्यावधि) चुनावों के नतीजों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका दिया है।

चुनाव में मिली करारी हार के बाद रिपब्लिकन पार्टी के भीतर आंतरिक मतभेद और गुटबाजी अब खुलकर सतह पर आने लगी है। पार्टी के शीर्ष नेता और प्रशासनिक अधिकारी राष्ट्रपति ट्रम्प की नीतियों से किनारा करते नजर आ रहे हैं, जिससे अमेरिकी राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया और इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्टों के अनुसार, विदेश मंत्री मार्को रूबियो ट्रम्प प्रशासन से अपना रुख अलग करने और अपने राजनीतिक भविष्य के अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आधिकारिक तौर पर ऐसी चर्चाओं का खंडन किया है।

NC ने नाराज विधायकों की ज्यादातर मांगें ठुकराईं

मृदुभाषी। नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 25 विधायकों की ज्यादातर मांगें मानने से इनकार कर दिया है। शुक्रवार को श्रीनगर में पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के घर हुई बैठक में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे।

विधायकों ने डिप्टी CM सुरिंदर चौधरी को पद से हटाने या उनसे सड़क एवं भवन निर्माण विभाग वापस लेने की मांग की थी। सूत्रों के मुताबिक, डिप्टी CM से R&B विभाग वापस लिए जाने की संभावना है। हालांकि, उन्हें पद से हटाने पर सहमति नहीं बनी है। पार्टी नेतृत्व ने कैबिनेट में फेरबदल और मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगमी को हटाने की मांग भी खारिज कर दी है। बैठक के बाद पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस कभी नहीं टूटेगी।

टी-20 विश्व कप विजेता सूर्यकुमार ने परिवार संग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात



नई दिल्ली। भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके दिल्ली स्थित निवास पर औपचारिक मुलाकात की। इस खास मौके पर सूर्यकुमार यादव अपनी पत्नी देविशा, बेटी रिद्धिमा और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौजूद थे।

मुलाकात का एक बेहद भावुक और सुंदर दृश्य तब देखने को मिला जब सूर्या के साले-साली (दीक्षा) की नन्ही बेटी सरयू ने प्रधानमंत्री को भजन सुनाया। बच्ची के भजन गायन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ताली बजाकर उसका उत्साह बढ़ाते दिखाई दिए। प्रधानमंत्री ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'दीपावली के माहौल में राम और सरयू का आगमन हुआ है। इससे दीपावली का वातावरण और भी पावन एवं दिव्य हो गया है।' गौरतलब है कि सूर्यकुमार यादव की बेहतरीन कप्तानी में भारत ने इसी साल मार्च 2026 में टी-20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के साथ भारतीय टीम लगातार दो बार टी-20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बनी।

पीएम मोदी ने निहारा विश्व कप का गोल्ड मेडल: मुलाकात के दौरान सूर्यकुमार यादव अपनी कप्तानी में भारत को जिताए गए 2026 टी-20 विश्व कप का स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) पहने हुए नजर आए। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मीयता से मुलाकात करते हुए उस ऐतिहासिक मेडल को अपने हाथों में लेकर भी देखा। इस यादगार लम्हे की तस्वीरें और वीडियो प्रधानमंत्री ने खुद अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए।

भारत में सिख गुरुद्वारों पर हुए कथित हमले



वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (USCIRF) के आयुक्त डेविड एंडरसन के एक विवादास्पद बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। एंडरसन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए दावा किया है कि पिछले कुछ सप्ताहों के दौरान भारत में सिख गुरुद्वारों को निशाना बनाकर हमले किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन कथित घटनाओं में धार्मिक नेताओं को नुकसान पहुँचाने के प्रयास भी शामिल हैं। इस दावे के साथ ही उन्होंने अमेरिकी सरकार से भारत के प्रति अपना रुख सख्त करने की मांग उठाई है। डेविड एंडरसन ने अमेरिकी प्रशासन को सुझाव दिया है कि वह भारत को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता को सीधे तौर पर इस बात से जोड़े कि भारत सरकार धार्मिक स्वतंत्रता में बाधा डालने वाली हिंसा पर क्या और कैसी कार्रवाई करती है।

मुरैना से मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना का आगाज, धनतेरस पर मिले मालिकाना हक के दस्तावेज

कागजों पर कैद पुश्तैनी आशियानों को मिला नया आसमान

मृदुभाषी। नई दिल्ली

दीपावली के पावन पर्व से ठीक पहले ग्रामीण इलाकों में उस सुस्ती और बेबसी का दौर हमेशा के लिए खत्म हो गया है, जो पीढ़ियों से लोगों के साथ चल रहा था।

पुश्तैनी जमीन और मकान होने के बावजूद जिनके पास अपनी संपत्ति का कोई कानूनी दस्तावेज नहीं था, उन्हें अब मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के जरिए सीधा वैधानिक हक मिल रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने धनतेरस के शुभ अवसर पर मुरैना जिले के ग्राम करुआ से इस अनूठी योजना का विधिवत शुभारंभ किया, जिससे राज्यभर के ग्रामीण अंचलों में खुशी की लहर दौड़ गई है। मुरैना के करुआ गाँव में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि जब गाँव के बच्चे पढ़-लिखकर डॉक्टर या इंजीनियर बनेंगे और अपना अस्पताल या कोई व्यवसाय शुरू करना चाहेंगे, तब बैंक से लोन लेने के लिए उनके पास मकान की पक्की रजिस्ट्री होना सबसे बड़ा संबल बनेगा। कार्यक्रम में मौजूद जगदीश यादव, रामचित कुशवाहा, राकेश बाथम और अतर सिंह जैसे कई हितग्राही इस बात पर भावुक नजर आए कि उन्हें अपनी ही जमीन का पक्का मालिकाना हक मिलने के लिए कोई भी शुल्क नहीं चुकाना पड़ा। सरकार ने लगभग 89 हजार रुपये तक का रजिस्ट्री खर्च खुद वहन कर दीपावली का सबसे अनमोल तोहफा दिया है।



पुश्तैनी मकानों को मिला पक्का कानूनी पहरा

आजादी के बाद से ही ग्रामीण भारत की यह बड़ी विडंबना रही है कि लोग अपनी गाढ़ी कमाई और लाखों रुपये खर्च कर पक्के मकान तो बना लेते थे, लेकिन उनके पास उस संपत्ति का कोई रजिस्टर्ड दस्तावेज नहीं होता था। कानूनी कागजों के अभाव में बैंक भी इन संपत्तियों पर ऋण देने से कतराते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई स्वामित्व योजना के तहत पट्टे मिलने के बाद अब मध्य प्रदेश सरकार ने एक कदम आगे बढ़कर 'मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना' के जरिए इसे पक्की रजिस्ट्री का अमलीजामा पहना दिया है। सरकार ने इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत पूरे प्रदेश में 50 लाख निःशुल्क रजिस्ट्रियां कराने का बड़ा लक्ष्य रखा है, ताकि ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का पूर्ण और निर्विवाद अधिकार मिल सके।



10 लाख के नोटों से माँ अन्नपूर्णा का श्रृंगार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। दीपावली के पावन अवसर पर इंदौर के प्रसिद्ध और ऐतिहासिक अन्नपूर्णा मंदिर में एक बेहद अनूठा और आकर्षक नजारा देखने को मिला है। हर साल की परंपरा को निभाते हुए इस बार भी दीपावली के पावन पर्व पर मंदिर के गर्भगृह को करीब 10 लाख रुपए के नए नोटों से भव्य रूप से सजाया गया है। धनतेरस के दिन नोटों से यह श्रृंगार पूरा होने के बाद, शुक्रवार सुबह मां अन्नपूर्णा का दरबार श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए पूरी तरह खोल दिया गया, जो अब भक्तों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मंदिर के गर्भगृह में 10, 20, 100, 200 और 500 रुपए के नए नोटों का उपयोग किया गया है। इन नोटों को उनके आकर्षक रंगों के हिसाब से बेहद कलात्मक तरीके से सजाया गया है, जिससे पूरा दरबार अलौकिक और भव्य नजर आ रहा है। मंदिर के स्वामी जयेन्द्रानंद गिरि ने जानकारी दी कि इस विशेष सजावट को तैयार करने में पिछले पांच दिनों से काम चल रहा था। मंदिर के समर्पित भक्तों ने मिलकर पूरे दरबार को सजाया है, और श्रृंगार में उपयोग किए गए ये सभी नए नोट भक्तों द्वारा ही स्वेच्छा से उपलब्ध कराए गए हैं।यह भव्य नोटों का श्रृंगार आगामी तीन दिनों यानी दीपावली तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए सुलभ रहेगा। इसके पश्चात, ये नोट प्रसाद और बरकत के रूप में वापस उन भक्तों को लौटा दिए जाते हैं, जिन्हें भक्त बेहद श्रद्धा के साथ अपने घरों में संभालकर रखते हैं।

दीपावली और छठ पूजा पर बिहार जाना हुआ मुश्किल, ट्रेनों में उमड़ी भारी भीड़

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



इंदौर। दीपावली और छठ पूजा का त्योहार पास आते ही उत्तर भारत, विशेषकर बिहार की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ने लगी है। त्योहारों पर घर जाने की होड़ के बीच ट्रेनों में कंफर्म टिकट मिलना लगभग असंभव हो गया है।

स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि 11 नवंबर को इंदौर-पटना एक्सप्रेस में स्लीपर से लेकर फर्स्ट एसी तक सभी श्रेणियों में 'रिग्रेट' की स्थिति बन गई है, यानी अब यात्रियों को सामान्य वेटिंग टिकट भी मिलना बंद हो चुका है। ऐसे में बिहार और उत्तर भारत की ओर जाने वाले यात्रियों के सामने बस से यात्रा करने के अलावा कोई अन्य वि

लंबी वेटिंग या रिग्रेट

केवल इंदौर ही नहीं, बल्कि उज्जैन, नागदा, भोपाल और खंडवा से पटना तथा मुजफ्फरपुर जाने वाली अधिकांश प्रमुख ट्रेनों में सभी श्रेणियों में लंबी वेटिंग या रिग्रेट की स्थिति बनी हुई है। मुंबई से खंडवा होते हुए बिहार जाने वाली ट्रेनों का हाल भी बेहद खराब है। आंकड़ों पर नजर डालें तो इंदौर-पटना एक्सप्रेस में 7 नवंबर से ही सीटों की किल्लत शुरू हो गई थी। 9 नवंबर को स्थिति बेहद गंभीर हो गई, जब स्लीपर में 119 और थर्ड एसी में 98 तक वेटिंग पहुंच गई।जबकि 11 नवंबर को स्थिति पूरी तरह से रिग्रेट पर आ गई। इसी प्रकार, नागदा से पटना जाने वाली अजीमाबाद एक्सप्रेस में 10 नवंबर को अधिकांश श्रेणियों में रिग्रेट दर्ज है।

11 नवंबर तकसभी श्रेणियों में टिकट बुकिंग बंद

खंडवा से मुजफ्फरपुर जाने वाली अहमदाबाद-सहरसा एक्सप्रेस में 7 से 11 नवंबर तक लगातार सभी श्रेणियों में टिकट बुकिंग बंद (रिग्रेट) हो चुकी है। नागदा-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस में भी 10 नवंबर को स्लीपर में 44 वेटिंग के साथ सेकंड और फर्स्ट एसी में रिग्रेट की स्थिति है। रेलवे एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब किसी ट्रेन की सीटों के साथ-साथ तय वेटिंग लिमिट भी पूरी हो जाती है, तब बुकिंग सिस्टम 'रिग्रेट' दिखाने लगता है। हालांकि रेलवे ने कुछ स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं, लेकिन यात्रियों के भारी दबाव को देखते हुए नियमित ट्रेनों के फेरे बढ़ाने और अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें चलाने की सख्त जरूरत है ताकि लोगों को त्योहार पर राहत मिल सके।

उत्तराध्ययन सूत्र की वाणी धर्ममय बनाने का मार्ग दिखाती है : विजयजी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



इंदौर। एयरपोर्ट रोड स्थित श्री केसरी वाटिका में आयोजित द्विशताब्दी गुरुराज स्पर्श चातुर्मासिक2026 के अंतर्गत आचार्यप्रवर आचार्यश्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी महाराज साहब की पावन निश्रा में धर्मसभा आयोजित हुई। इसमें परम पूज्य विद्वद्रत्न विजयजी म.सा. ने उत्तराध्ययन सूत्र की महिमा एवं जीवन में धर्म की उपयोगिता विषय पर प्रभावशाली धर्मोपदेश प्रदान किया। विद्वद्रत्न विजयजी म.सा. ने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र परमात्मा की अंतिम देशना है, जो पंचम काल के जीवों के कल्याण के लिए प्रदान की गई अमूल्य आध्यात्मिक धरोहर है। परमात्मा की वाणी केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए है। मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ है, क्योंकि इसी जीवन में व्रत, नियम, संयम, तप और साधना के माध्यम से मोक्ष प्राप्ति का पुरुषार्थ किया जा सकता है।

धन को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य बना लेना उचित नही

उन्होंने कहा कि धन कमाना और व्यापार करना अनुचित नहीं है, लेकिन धन को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य बना लेना उचित नहीं। वास्तविक धन धर्म, विवेक और आत्मकल्याण है। पंचम काल में आत्मकल्याण के दो प्रमुख आधार जिनबिंब अर्थात परमात्मा की प्रतिमा और जिनागम अर्थात परमात्मा की वाणी हैं। उत्तराध्ययन सूत्र के विभिन्न अध्ययनों की व्याख्या करते हुए उन्होंने विनय, परीषह सहन, चार परम मंगल, प्रमाद-अप्रमाद, अकाम मरण, निर्ग्रंथ जीवन, विषय-वासनाओं से मुक्ति, नमी ऋषि की प्रव्रज्या, द्रुमपत्रक एवं बहुश्रुत जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला।

जीवन में विवेक और विनय दोनों आवश्यक

उन्होंने कहा कि जीवन में विवेक और विनय दोनों आवश्यक हैं। प्रतिकूल परिस्थितियों में क्रोध एवं द्वेष के स्थान पर समभाव और सहनशीलता रखना चाहिए। मनुष्यत्व, श्रुतश्रद्धा, संयम और संयम के प्रति पुरुषार्थ जीवन के चार परम मंगल हैं। इच्छाएँ आकाश के समान अनंत हैं, इसलिए लोभ, मोह और विषय-वासनाओं पर नियंत्रण आवश्यक है। प्रत्येक कार्य में जागरूकता और आत्मचिंतन ही अप्रमाद का वास्तविक स्वरूप है। मीडिया समन्वयक राजेश जैन युवा ने बताया कि प्रवचन के समापन पर उन्होंने कहा कि भगवान को कितना मानते हैं, यह महत्वपूर्ण है, लेकिन भगवान की कितनी बातें मानते हैं, यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। संसार में रहते हुए पारिवारिक एवं व्यावसायिक दायित्व निभाएँ, लेकिन आत्मकल्याण को कभी न भूलें।

हेड कॉन्स्टेबल की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



इंदौर। मल्हारगंज थाना क्षेत्र से एक अत्यंत दुखद और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ पलासिया थाने में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल की संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस अचानक हुई घटना से पूरे पुलिस विभाग और उनके परिवार में गहरी शोक की लहर दौड़ गई है।

जानकारी के अनुसार, मृतक हेड कॉन्स्टेबल संजय (38 वर्ष), पुत्र नाथूसिंह अजनार, चौथी पल्टन के निवासी थे और वर्तमान में पलासिया थाने में अपनी सेवाएं दे रहे थे। शुक्रवार की सुबह अपनी नाइट शिफ्ट की ड्यूटी पूरी करने के बाद संजय सीधे अपने घर लौटे थे। घर पहुंचने के कुछ ही देर बाद अचानक उन्हें घबराहट महसूस हुई और सीने में तेज दर्द उठा। इस आपात स्थिति से घबराए परिजनों ने तुरंत रिश्तेदारों को सूचना दी और उन्हें लेकर स्थानीय अस्पताल पहुंचे। वहाँ उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर किया गया।

1.69 करोड़ की जमीन सौदे में धोखाधड़ी, तीन पर कायमी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर । क्राइम ब्रांच ने मनोरमागंज स्थित बेशकीमती जमीन के सौदे में धोखाधड़ी के एक मामले में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई बिचौली हप्सी स्थित फैंटेसी कॉलोनी के रहने वाले 62 वर्षीय पीड़ित कारोबारी रमेन जोशी की शिकायत पर की है। मामले में 'एसेट्स क्रिएटर्स प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी चलाने वाले तीन आरोपियों–सुनील कुमार भाटिया, महेंद्र जैन और संदीप–को नामजद किया गया है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित रमेन जोशी की मनोरमागंज में 10 हजार स्क्वायर फीट से अधिक जमीन थी, जिसका सौदा आरोपियों के साथ 1 करोड़ 69 लाख रुपए में तय हुआ था। इस जमीन की रजिस्ट्री 23 फरवरी 2007 को करा दी गई थी। सौदे की शर्त के अनुसार, आरोपियों ने कुछ नकद राशि देने के साथ ही पिपल्याहाना स्थित सर्वे नंबर 546 की 1.5 एकड़ जमीन देने का इकरारनामा किया था। इसके अलावा 60 लाख रुपए का एक चेक भी दिया गया था, जो बैंक में लगाने पर बाउंस हो गया। बाद में पीड़ित को पता चला कि पिपल्याहाना की जिस 1.5 एकड़ जमीन का इकरारनामा उनके नाम किया गया था, वह इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित की जा चुकी थी और एक अन्य संस्था की थी। आरोपियों ने खुद को 'रोचक गृह निर्माण संस्था' का सदस्य बताकर विवादमुक्त जमीन का झूठा दावा किया था। जब संबंधित संस्था की ओर से आपत्ति जताई गई, तो पीड़ित ने मामले की शिकायत क्राइम ब्रांच से की। प्राथमिक जांच के बाद क्राइम ब्रांच ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, हालांकि फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

खेलते समय गश खाकर गिरा छात्र मौत

इन्दौर। तेजाजी नगर थाना क्षेत्र के उमरिया में रात करीब दो बजे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से भीषण हादसा हो गया। इस दुर्घटना में वाहन के नीचे दबने से 45 वर्षीय चालक रमेश पुत्र कालू भूरिया, निवासी तिल्लौर खुर्द की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।तीसरी दुखद घटना एरोड्रम थाना क्षेत्र के जन्नत गार्डन इलाके की है, जहां 9वीं कक्षा का 16 वर्षीय छात्र दिव्यांश दोस्तों के साथ खेलते समय अचानक गश खाकर जमीन पर गिर पड़ा। परिजन उसे तुरंत आयुष्मान और क्लॉथ मार्केट अस्पताल ले गए, जहां से उसे चोइथराम अस्पताल रैफर किया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। एक ही दिन में हुई इन अलग-अलग घटनाओं से पूरे क्षेत्र में शोक और सनसनी फैल गई है।

होटल रिसेप्शनिस्ट से एमडी जब्त

क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को साईं कृपा कॉलोनी से राजेश बघेल को गिरफ्तार किया। वह एक होटल में रिसेप्शनिस्ट की नौकरी करता है। पुलिस ने उसके पास से 11 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स जब्त की है।

मंत्री से दुकानदार बने विजयवर्गीय पुश्तैनी दुकान पर तौल कर बेचा सामान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



इंदौर। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की सादगी और अपनी जड़ों से जुड़ाव का एक अनूठा नजारा हर साल धनतेरस पर देखने को मिलता है। इस परंपरा को निभाते हुए शुक्रवार की शाम मंत्री कैलाश विजयवर्गीय नंदानगर स्थित अपनी पुश्तैनी किराने की दुकान पर पहुंचे। व्यस्त राजनीतिक जीवन से समय निकालकर वे आम दुकानदार की तरह ग्राहकों की सेवा करते नजर आए, जिसे देखकर हर कोई उनकी सादगी का मुमुरीद हो गया।

दुकान पर पहुंचने के बाद मंत्री विजयवर्गीय ने सबसे पहले विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने ग्राहकों से सामान की सूची ली और खुद अपने हाथों से तराजू पर सामान तौलकर उन्हें दिया। ग्राहकों ने भी पूरी सहजता के साथ सामान खरीदा और उसके पैसे चुकाए। त्योहार के इस पावन अवसर पर दुकान पर भारी भीड़ थी, और मंत्री को अपने बीच पाकर कई पुराने ग्राहक व स्थानीय लोग उनसे मिलने भी पहुंचे।

पहले माँ चलाती थीं दुकान

करीब आधे घंटे तक दुकान पर समय बिताते हुए उन्होंने अपने मोहल्ले और गली के पुराने दोस्तों से मुलाकात की और पुरानी यादें ताजा कीं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने साझा किया कि उनकी यह किराने की दुकान 45 साल से अधिक पुरानी है। शुरूआती दिनों में यह दुकान उनके घर के आगे वाले कमरे से संचालित होती थी, जिसे उनकी मां स्वर्गीय अयोध्याबाई विजयवर्गीय संभालती थीं। उस दौर में कैलाश विजयवर्गीय और उनके भाई विजय भी मां के हाथ बंटाते थे। दुकान से घर लौटने के बाद उन्होंने घर के बाहर रंगोली बना रही अपनी पोती से भी स्नेहपूर्वक बातचीत की।

30 हजार की कोकीन के साथ दो गिरफ्तार

इंदौर। पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जूनी इंदौर पुलिस ने एक युवक को 30 हजार रुपए की कोकीन के साथ पकड़ा है। उसके पास से मर्सिडीज कार भी जब्त की गई है। वहीं, क्राइम ब्रांच ने एक होटल रिसेप्शनिस्ट को 11 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) के साथ गिरफ्तार किया है।

दोस्तों को देने के लिए लाया था कोकीन

जूनी इंदौर पुलिस ने गुरुवार को कल्प काकरिया को गिरफ्तार किया। बिचौली मर्दाना निवासी कल्प काकरिया कर्बला मैदान के पास घूमता हुआ पुलिस को दिखाई दिया था। बीट के जवानों को उस पर संदेह हुआ। तलाशी लेने पर उसके पास से 30 हजार रुपए मूल्य की कोकीन बरामद हुई। पूछताछ में सामने आया कि वह खुद नशा करने और दोस्तों को देने के लिए कोकीन लेकर आया था। पुलिस ने मौके से उसकी मर्सिडीज कार भी जब्त कर ली। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। पूछताछ में उसने कुछ नशा तस्करों (पेडलर्स) के नाम बताए हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। कल्प के पिता शांति निकेतन में रहते हैं और चायपत्ती के बड़े कारोबारी हैं।

दो राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में बंटी सिंह ने जीता 'एलीट विनर' का खिताब

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



इंदौर। शहर की बंटी सिंह ने अपनी सुंदरता, प्रतिभा और आत्मविश्वास के दम पर दो प्रतिष्ठित मंचों पर सफलता का परचम लहराकर शहर का नाम रोशन किया है। उन्होंने 'मिसेज एशिया पैसिफिक वर्ल्ड 2026' में एलीट श्रेणी का खिताब जीतने के बाद, दिल्ली में आयोजित वीआरपी प्रोडक्शंस के 'मिस, मिसेज एंड मिस्टर इंडिया इंटरनेशनल कॉस्मो 2026' में भी 'एलीट विनर' का ताज अपने नाम किया है।

दो बच्चों की मां बंटी सिंह की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, दृढ़ इच्छाशक्ति और परिवार व कामकाज की जिम्मेदारियों के साथ अपने सपनों को संतुलित करने का प्रतिफल है। उनका यह सफर उन सभी महिलाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है, जो पारिवारिक दायित्वों को निभाते हुए अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हैं।

हर महिला के भीतर अनूठी प्रतिभा होती है

अपनी इस दोहरी सफलता पर बंटी सिंह ने कहा कि ये दोनों खिताब केवल एक जीत नहीं, बल्कि खुद पर अटूट विश्वास बनाए रखने का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि हर महिला के भीतर अनूठी प्रतिभा होती है; जरूरत केवल उसे पहचानने और सही अवसर पाने की है। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि वे किसी भी परिस्थिति में अपने सपनों को अधूरा न छोड़ें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। कार्यक्रम के दौरान एशिया पैसिफिक वर्ल्ड की डायरेक्टर निरुपमा सिन्हा वर्मा व प्रिया सिंह शुक्ला और वीआरपी प्रोडक्शंस की डायरेक्टर एम. ऋतु राव भी मौजूद रहीं। आयोजकों और निर्णायकों ने बंटी सिंह के आत्मविश्वास और सकारात्मक व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि साबित करती है कि सपनों को पूरा करने में उम्र या परिस्थितियां कभी बाधा नहीं बनती हैं।

जीजा की चाकू मारकर हत्या, ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

इंदौर । शहर में विभिन्न थाना क्षेत्रों से दिल दहला देने वाली तीन अलग-अलग दुर्घटनाएं और वारदातें सामने आई हैं। खुड़ैल थाना क्षेत्र के अंतर्गत निलगिरी परिसर में पारिवारिक रंजिश के चलते एक 16 वर्षीय नाबालिग ने अपने ही जीजा की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 22 वर्षीय दीपक (पुत्र गोपाल, निवासी राणायर बरोठा, जिला देवास) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दीपक ने दो साल पूर्व आरोपी नाबालिग की बहन गायत्री से प्रेम विवाह किया था, जिससे नाराज होकर नाबालिग ने इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। घटना बुधवार रात की है, जब दीपक अपनी बड़ी सास की बारहवीं के कार्यक्रम में शामिल होने आया था। रात करीब दो बजे भजन-कीर्तन के दौरान टेंट की आड़ में नाबालिग ने सब्जी काटने वाले चाकू से दीपक पर हमला कर दिया। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है।

पीजी की 39 नई सीटें मंजूर, अब कुल 322 सीटों के साथ प्रदेश में अव्वल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) से कॉलेज को विभिन्न विभागों में पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) की 39 नई सीटों की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही संस्थान में पीजी सीटों की कुल संख्या बढ़कर 322 हो गई है, जो मध्य प्रदेश के किसी भी सरकारी या निजी मेडिकल कॉलेज में सर्वाधिक है।

इसके अतिरिक्त कॉलेज में 13 सुपर स्पेशियलिटी सीटें भी उपलब्ध हैं। स्वीकृत की गई 39 नई सीटों में सबसे अधिक 12 सीटें कम्युनिटी मेडिसिन विभाग को मिली हैं। इसके अलावा पैथोलॉजी में 9, ऑर्थोपेडिक्स में 5, जनरल सर्जरी में 4, तथा एनाटॉमी, फॉरेंसिक मेडिसिन, माइक्रोबायोलॉजी व साइकियाट्री में 2-2 सीटें और डमेटोलॉजी में 1 नई सीट बढ़ाई गई है। इन 9 विभागों में सीटें बढ़ने से अकादमिक गतिविधियों, शोध कार्य और क्लीनिकल ट्रेनिंग को नया आयाम मिलेगा।

संस्थान के लिए गर्व का क्षण : डीन

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने इसे संस्थान के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह सफलता शैक्षणिक क्षमता और कार्यक्षमता का प्रमाण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेषज्ञ डॉक्टरों और पीजी रेसीडेंट्स की संख्या बढ़ने से सीधे तौर पर मरीजों को फायदा पहुंचेगा। एमजीएम से जुड़े अस्पतालों में रोजाना हजारों मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। नई सीटों के आने से सर्जरी, ओपीडी और अन्य विशेषज्ञ विभागों की कार्यक्षमता मजबूत होगी, जिससे मरीजों का प्रतीक्षा समय घटेगा और उन्हें समय पर बेहतर उपचार मिल सकेगा। यह उपलब्धि न केवल चिकित्सा शिक्षा को सशक्त करेगी, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती प्रदान करेगी।

खाद की किल्लत और बेरोजगारी पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

5 दिन का शीतकालीन सत्र और सियासी घमासान की पूरी तैयारी: जहरीली शराब

मृदुभाषी। भोपाल



मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का 12वां शीतकालीन सत्र इस बार काफी हंगामेदार रहने के पूरे आसार हैं। विधानसभा सचिवालय ने राज्यपाल के आदेश के अनुपालन में सत्र आहूत करने की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। तय कार्यक्रम के अनुसार, यह महत्वपूर्ण सत्र आगामी 7 दिसंबर से 11 दिसंबर 2026 तक यानी कुल पाँच दिनों तक चलेगा। इस अल्पकालिक सत्र में जहां एक तरफ सरकार अनुपूरक बजट और जरूरी विधायी कार्य निपटाने की तैयारी में है, वहीं दूसरी तरफ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जनहित और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर सरकार को घेरने की पुख्ता रणनीति बना ली है।

सत्र के दौरान प्रदेश के कई गंभीर और संवेदनशील मुद्दे गूंजने की पूरी संभावना है। विपक्ष जिन प्रमुख विषयों को लेकर सरकार पर हमलावर हो सकता है, उनमें शामिल हैं। प्रदेश में अवैध शराब के कारोबार और जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों के साथ-साथ हाल ही में एक पुलिस निरीक्षक की मौत का मामला सदन की सुर्खियों में रह सकता है। रबी सीजन की शुरुआत के बीच किसानों को हो रही खाद की भारी किल्लत और उनकी परेशानियों को लेकर विपक्ष सरकार से कड़े सवाल करेगा। प्रदेशभर में बिना किसी पूर्व सूचना के हो रही अघोषित बिजली कटौती का मुद्दा भी जोर-शोर से उठ सकता है। विभिन्न सरकारी विभागों में पात्रता परीक्षा पास करने के बावजूद लंबे समय से नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे चयनित युवाओं का मुद्दा भी सदन में गूंजेगा।

सत्र की अवधि कम होने पर नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल

सत्र की समयावधि मात्र पाँच दिन रखे जाने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में बालाघाट में बच्चों की मौत, सागर व देवास में जहरीली शराब कांड, किसानों की बदहाली, महिला सुरक्षा, बेरोजगारी, आदिवासी अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बढ़ते कर्ज जैसे गंभीर और विशाल जनहित के मुद्दे मौजूद हैं, लेकिन सरकार ने चर्चा के लिए महज पाँच दिन का समय तय किया है। उन्होंने याद दिलाया कि इससे पहले मानसून सत्र भी पाँच दिन का ही बुलाया गया था और उसे समय से पहले तीन दिन में ही समाप्त कर दिया गया था। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के विधायक सात करोड़ से अधिक जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए लोकतंत्र के मंदिर में जनता की आवाज को पूरी तरह रखने के लिए सत्र की अवधि बढ़ाई जानी चाहिए, न कि घटाई जाए। इसके बावजूद, उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस विधायक दल सदन के भीतर जनता से जुड़े हर एक मुद्दे को पूरी मजबूती से उठाएगा और सरकार को जवाबदेह बनाएगा।

सत्र का शेड्यूल और महत्वपूर्ण तिथियाँ

पाँच दिवसीय इस सत्र के दौरान शासकीय कार्यों के साथ-साथ अशासकीय कामकाज भी संपादित किए जाएंगे। विधानसभा सचिवालय द्वारा विधायकों के लिए सूचनाएं भेजने की समय-सीमा तय कर दी गई है:

अशासकीय विधेयक: 11 नवंबर तक जमा किए जा सकेंगे।

अशासकीय संकल्प: 26 नवंबर तक सचिवालय में प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

स्थगन, ध्यानाकर्षण और नियम 267-क की सूचनाएं: 1 दिसंबर से कार्यालयीन समय (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक) में स्वीकार की जाएंगी।

बुजुर्ग महिला की बेरहमी से हत्या, मुंह से सोने का दांत भी उखाड़ ले गए बदमाश

मृदुभाषी। भोपाल



देश की राजधानी भोपाल में बदमाशों के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसकी एक बेहद दर्दनाक बानगी शाहजहानाबाद थाना क्षेत्र के वाजपेयी नगर मल्टी में देखने को मिली है। यहाँ अज्ञात बदमाशों ने कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती देते हुए घर में अकेली रहने वाली 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी। सनसनीखेज बात यह है कि हत्यारे लूटपाट के दौरान हद पार करते हुए मृतका के शरीर से सोने के गहने तो ले ही गए, साथ ही उनके मुंह से सोने का दांत तक उखाड़कर ले गए। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और स्थानीय रहवासियों में भारी दहशत का माहौल है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतका कलरी देवी वाजपेयी नगर मल्टी स्थित अपने फ्लैट में अकेले जीवनयापन करती थीं। शुक्रवार की सुबह जब एक पड़ोसी महिला ने उनके फ्लैट का मुख्य दरवाजा खुला देखा, तो उन्हें किसी अनहोनी की आशंका हुई। वह जब अंदर दाखिल हुईं, तो कलरी देवी मृत अवस्था में फर्श पर पड़ी मिलीं। घटना की खबर मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई और तुरंत शाहजहानाबाद थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुँचे। शुरुआती मुआयने में मृतका के गले पर संघर्ष और चोट के निशान पाए गए, जबकि उनके मुंह से लगातार खून निकल रहा था। पुलिस की शुरुआती जाँच और परिस्थितियों को देखकर यह साफ अंदाजा लगाया जा रहा है कि बदमाशों ने पहले घर में लूटपाट की और जब बुजुर्ग महिला ने विरोध किया या पहचान छिपाने के उद्देश्य से उन्होंने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। दरिंदगी की हद यह रही कि आरोपी सोने के आभूषणों के साथ-साथ महिला के मुंह से सोने का दांत भी नोचकर ले गए। घटना की गंभीरता और क्रूरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट ने तुरंत फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (FSL) की टीम को मौके पर बुलवाया। टीम ने फ्लैट के चप्पे-चप्पे से फिंगरप्रिंट और अन्य महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अब मल्टी के आसपास और आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि संदिग्ध बदमाशों की पहचान की जा सके और उनके भागने के रास्तों का पता लगाया जा सके। बताया जा रहा है कि मृतका कलरी देवी की चार बेटियां हैं, जिनकी शादियां हो चुकी हैं। उनका एक मूक-बधिर बेटा है जो एक सरकारी कार्यालय में नौकरी करता है। पुलिस ने परिजनों, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है।

प्रदेश उपाध्यक्ष का पद भी संभालते रहेंगे

डॉ. निशांत खरे को प्रदेश भाजपा कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी

मृदुभाषी। भोपाल



भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक फेरबदल के तहत डॉ. निशांत खरे को प्रदेश कार्यालय प्रभारी की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। इस नई नियुक्ति के बाद डॉ. खरे की संगठन में भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि अब वे प्रदेश उपाध्यक्ष के दायित्व के साथ-साथ प्रदेश भाजपा कार्यालय के सुचारु कामकाज और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की कमान भी संभालेंगे।

मूल रूप से इंदौर के रहने वाले डॉ. निशांत खरे पेशे से एक प्रतिष्ठित प्लास्टिक सर्जन हैं। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा के तहत एमबीबीएस के बाद जनरल सर्जरी में एमएस और प्लास्टिक सर्जरी में एमसीएच की डिग्री हासिल की है। चिकित्सा क्षेत्र में अपनी सफल पेशेवर पारी के साथ-साथ वे लंबे समय से सामाजिक और सार्वजनिक जीवन में भी बेहद सक्रिय रहे हैं। उनका संबंध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से रहा है, जिसके विभिन्न दायित्वों पर उन्होंने कुशलतापूर्वक कार्य किया है। संगठनात्मक और प्रशासनिक कार्यों का लंबा अनुभव रखने वाले डॉ. खरे इससे पहले मध्य प्रदेश युवा आयोग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश प्रभारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं। वर्तमान में वे पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष होने के साथ-साथ ग्वालियर संभाग के प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, प्रदेश कार्यालय प्रभारी की भूमिका पार्टी के नियमित संगठनात्मक कामकाज, वरिष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और कार्यालय से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं को संचालित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विभिन्न मोर्चों और सांगठनिक पदों पर लंबा अनुभव रखने वाले डॉ. खरे की इस नई नियुक्ति को पार्टी संगठन की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम बदलाव माना जा रहा है।

भोपाल के नीलम पार्क में कोरोना योद्धाओं का सत्याग्रह बहाली की मांग को लेकर डटे हैं चार हजार स्वास्थ्यकर्मी

मृदुभाषी। भोपाल



कोरोना महामारी के सबसे भयानक दौर में अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की जान बचाने वाले स्वास्थ्यकर्मी इस बार दीपावली के पावन पर्व पर अपने घरों और अपनों से कोसों दूर धरने पर बैठने को मजबूर हैं। राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में नौकरी की बहाली की मांग को लेकर पिछले एक महीने से अधिक समय से डटे करीब चार हजार कोरोना योद्धाओं ने इस बार का त्योहारी दिन भी आंदोलन के बीच ही मनाने का कठोर निर्णय लिया है। कर्मचारियों का साफ कहना है कि जब तक सरकार उनकी वापसी को लेकर कोई ठोस और सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक उनका यह संघर्ष यूं ही जारी रहेगा।

कोविड-19 संक्रमण काल के दौरान इन स्वास्थ्यकर्मियों ने अस्पतालों, डेडीकेटेड कोविड सेंटर्स, आईसीयू वार्डों, सैंपलिंग बूथों और घर-घर टीकाकरण अभियानों में फ्रंटलाइन वर्कर के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं। उस समय सरकार और प्रशासन ने इनकी सेवाओं की सराहना करते हुए इन्हें 'कोरोना योद्धा' का सम्मान दिया था। लेकिन जैसे ही महामारी का प्रकोप कम हुआ, बजट की कमी का हवाला देकर इनकी सेवाएं अचानक समाप्त कर दी गईं और इन्हें नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। तब से लेकर आज तक ये हजारों कर्मचारी अपनी बहाली के लिए दर-दर की ठोकरें खाने और सड़कों पर संघर्ष करने को विवश हैं। कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ के प्रदेश संयोजक डॉ. अंकित असाटी के अनुसार, सेवा से हटाए गए इन स्वास्थ्यकर्मियों में आयुष चिकित्सक, स्टाफ नर्स, एएनएम, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ शामिल हैं। अचानक छीने गए रोजगार के कारण इन सभी के परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट और भविष्य की अनिश्चितता खड़ी हो गई है। कर्मचारियों का कहना है कि दीपावली का पर्व परिवार के साथ मिलकर खुशियां बांटने और दीये जलाने का होता है, लेकिन इस बार उनके हिस्से में सिर्फ संघर्ष और आंसू आए हैं। नीलम पार्क ही अब उनका आशियाना बन चुका है और यही धरना स्थल उनका दीपावली मनाने का ठिकाना होगा। त्योहार के दिन भी सड़क पर डटकर वे सरकार का ध्यान अपनी लाचारी और न्यायसंगत मांगों की ओर खींचना चाहते हैं। आंदोलनकारी स्वास्थ्यकर्मियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी पुनर्बहाली का आधिकारिक आदेश जारी नहीं होता, तब तक उनका यह शांतिपूर्ण आंदोलन किसी भी कीमत पर समाप्त नहीं होगा।

मलय जैन बने बालाघाट के एसपी

भोपाल। प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को आईपीएस अधिकारिरी की पदस्थापना और अतिरिक्त प्रभार के आदेश जारी किए हैं। पुलिस मुख्यालय भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी मलय जैन को बालाघाट का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। उन्हें हॉक फोर्स बालाघाट के सेनानी का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। बालाघाट में 27 अक्टूबर को तत्कालीन एसपी आदित्य मिश्रा का तबादला देवास कर दिया गया था।

राजधानी का चर्चित त्विषा शर्मा संदिग्ध मौत मामला
सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व जिला जज सास-पति से मांगा जवाब

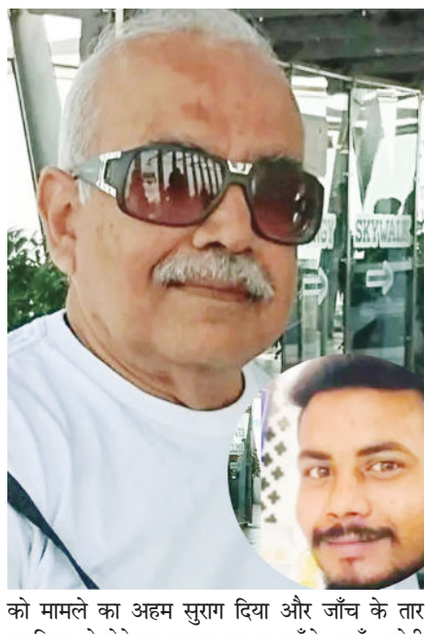
मृदुभाषी। नई दिल्ली

राजधानी भोपाल की बहुचर्चित और हाईप्रोफाइल त्विषा शर्मा संदिग्ध मौत का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में एक निर्णायक मोड़ पर पहुँच गया है। भोपाल की अदालत में निष्पक्ष सुनवाई को लेकर उठ रहे गंभीर सवालों के बीच देश की सर्वोच्च अदालत ने मृतका की सास और भोपाल की पूर्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह तथा उनके पति समर्थ सिंह को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शीर्ष अदालत अब इस बात पर विचार कर रही है कि इस मुकदमे के ट्रायल को भोपाल से बाहर स्थानांतरित किया जाए या नहीं। मृतका त्विषा शर्मा के पिता नवनिधि शर्मा ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर यह गुहार लगाई है कि इस मामले की सुनवाई भोपाल से बाहर दिल्ली स्थानांतरित की जाए। याचिकाकर्ता पिता का आरोप है कि मुख्य आरोपी पक्ष से जुड़ीं गिरिबाला सिंह का न्यायिक और प्रशासनिक गलियारों में व्यापक प्रभाव रहा है। उनके कई पूर्व जूनियर और करीबी सहयोगी वर्तमान में भी भोपाल जिला अदालत में ही पदस्थ हैं। ऐसे में यह प्रबल आशंका है कि प्रभावशाली आरोपियों की वजह से न्याय की प्रक्रिया और मुकदमे की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। इसके साथ ही गवाहों की सुरक्षा और उन पर संभावित दबाव को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह को निर्देश दिया कि वे याचिका पर अपना औपचारिक जवाब दाखिल करें। इस पर आरोपियों की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने जवाब दाखिल करने के लिए कुछ समय की मांग की।

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हत्याकांड

एसआईटी ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ब्लेड किया बरामद

मृदुभाषी। भोपाल



सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की निर्मम हत्या के सनसनीखेज मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) को एक बड़ा और अहम साक्ष्य हाथ लगा है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान घायल हुए मुख्य आरोपी वरुण कुमार वाल्मिक को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद रातीबड़ स्थित घटनास्थल पर पहुँचाया, जहाँ उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया ब्लेड बरामद कर लिया गया है। इस खुलासे से पुलिस को मामले की कड़ियों को जोड़ने में और अधिक मजबूती मिली है।

रातीबड़ थाना प्रभारी रास बिहार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि गत 29 और 30 सितंबर की दरमियानी रात आरोपी ने सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल का ब्लेड से गला रेतकर बेरहमी से कत्ल कर दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बंगले की चाहरदीवारी लांघकर फरार हो गया था और भागते वक्त उसने हत्या में प्रयुक्त ब्लेड वहीं फेंक दिया था। पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश के दौरान हाल ही में हुई मुठभेड़ में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी थी, जिसके चलते उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अदालत ने उसे एक सप्ताह की पुलिस रिमांड पर सौंपा है। रिमांड के दौरान एसआईटी आरोपी को सूरज नगर स्थित उसी बंगले पर लेकर पहुँची, जहाँ उसने अपराध किया था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चाहरदीवारी के पास से खून से सने और हत्या में प्रयुक्त उस ब्लेड को बरामद कर सील कर दिया है। फॉरेंसिक जाँच के लिए इस ब्लेड को प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

तानों से परेशान होकर हत्या का दावा, प्रेमिका के फोन कॉल से खुला था राज

पुलिस पूछताछ में आरोपी वरुण कुमार वाल्मिक ने दावा किया है कि वह मृतक राकेश अग्रवाल के कथित तानों से बेहद परेशान था, जिसके चलते उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद आरोपी ने अपनी प्रेमिका को फोन किया था। इसी एक फोन कॉल ने पुलिस को मामले का अहम सुराग दिया और जाँच के तार ग्वालियर से होते हुए आगरा तक जा पहुँचे, जहाँ आरोपी की प्रेमिका काम कर रही थी। इसी तकनीकी सुराग के आधार पर पुलिस ने आगरा से आरोपी को दबोचा था। घटनास्थल पर जब पुलिस आरोपी को लेकर पहुँची, तो वहाँ मौजूद मृतक के परिजनों में गहरा आक्रोश और नाराजगी देखने को मिली। एसआईटी अब बरामद किए गए ब्लेड, फॉरेंसिक साक्ष्यों और आरोपी के बयनों को आधार बनाकर मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया और चार्जशीट तैयार करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। घटनास्थल पर आरोपी को ले जाने के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में आरोपी ने वारदात से जुड़े घटनाक्रम को दोहराया। एसआईटी अब इस बात की भी बारीकी से जांच कर रही है कि हत्या के बाद आरोपी ने किन रास्तों का इस्तेमाल कर भागने की कोशिश की थी। फॉरेंसिक रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस जल्द ही इस बहुचर्चित मामले में न्यायालय में पुख्ता चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में है।

एम्स भोपाल ने जारी की चेतावनी, खांसी-जुकाम और बुखार को हल्के में न लेने की सलाह

सर्दी की आहट के साथ बढ़ा संक्रमण का खतरा

मृदुभाषी। भोपाल



सर्दी के मौसम की शुरुआत के साथ ही स्वास्थ्य को लेकर सतर्क होने का समय आ गया है। मौसम में बदलाव के चलते सांस के वायरस सक्रिय हो जाते हैं, जो मामूली लगने वाली खांसी, जुकाम और बुखार को गंभीर निमोनिया में बदल सकते हैं। इसे देखते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) भोपाल ने आम नागरिकों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी करते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है। चिकित्सकों के अनुसार, समय पर लक्षणों की पहचान और एहतियात बरतकर कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि तापमान में गिरावट और नमी में बदलाव के कारण लोग सर्दियों में ज्यादातर समय बंद कमरों में बिताते हैं। हवा की उचित आवाजाही न होने और कम हवादार जगहों पर एक-दूसरे के संपर्क में आने से इन्फ्लूएंजा और अन्य श्वसन संबंधी वायरस तेजी से फैलते हैं। यही वजह है कि सामान्य दिखने वाला वायरल संक्रमण भी कई बार गंभीर रूप धारण कर लेता है। एम्स के विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ विशेष वर्ग के लोगों के लिए यह संक्रमण अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। बुजुर्ग, छोटे बच्चे और गर्भवती महिलाएं को सतर्क रहना होगा। धूम्रपान करने वाले लोग और कमजोर रोग-प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) वाले व्यक्ति। इन लोगों में मामूली संक्रमण भी पुरानी बीमारियों को बिगाड़ सकता है। संक्रमण से बचाव के लिए एम्स भोपाल ने हर साल इन्फ्लूएंजा का टीका लगवाने की सलाह दी है, विशेष तौर पर जोखिम वाले समूहों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए यह बेहद जरूरी है। इसके अलावा, उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति के आधार पर डॉक्टर की सलाह से निमोनिया से बचाव का टीका भी लगवाया जा सकता है।

इन छोटी बातों का रखें ध्यान

मास्क का उपयोग: भीड़भाड़ और कम हवादार स्थानों पर अच्छी तरह फिट होने वाला मास्क पहनें।

वेंटिलेशन: घर के कमरों और दफ्तरों में ताजी हवा की आवाजाही बनाए रखें।

स्वच्छता: नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं तथा खांसते या छींकते समय मुंह व नाक को ढकें।

जीवनशैली: धूम्रपान से तौबा करें, घर के भीतर प्रदूषण से बचें तथा संतुलित खानपान, पर्याप्त पानी और पूरी नींद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

कब लें चिकित्सकीय मदद?

इन्फ्लूएंजा होने पर अचानक तेज बुखार, कंपकंपी, सिरदर्द, बदन दर्द, गले में खराश, सूखी खांसी और अत्यधिक थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यदि तेज बुखार लगातार बना रहे, सांस फूलने लगे, सीने में तेज दर्द हो, मरीज को भ्रम की स्थिति महसूस हो या होंठ नीले पड़ने लगें, तो इसे बिल्कुल नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम होना भी एक गंभीर चेतावनी संकेत है।

सम्पादकीय

कोर्ट ने दिया संवैधानिक आजादी को संबल

किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और उसकी गिरफ्तारी को दर्शाने के समय को लेकर पुलिसिया कार्रवाई के बारे में अक्सर सवाल उठते रहे हैं। दरअसल, यह व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद, इसकी अनदेखी की जाती रही है। यही वजह है कि अब इस मामले मे देश की शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। शीर्ष अदालत का फैसला कहता है कि किसी भी हिरासत में लिए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समय-सीमा, गिरफ्तारी के औपचारिक रिकॉर्ड से नहीं, बल्कि हिरासत में लिए जाने वाले पल से ही शुरू हो जाती है। सही मायने में, यह निर्णय आम भारतीय की संवैधानिक स्वतंत्रता की समयोचित पुष्टि ही है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह फैसला एक स्पष्ट संदेश देता है कि पुलिस मौलिक अधिकारों से बचने के लिये प्रक्रियाओं में हेरफेर नहीं कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 22(2) के उद्देश्य से हिरासत और गिरफ्तारी के बीच किए गए बनावटी अंतर को खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एक गंभीर खामी को दूर किया है। इस खामी का लाभ उठाकर ही जांच व प्रवर्तन एजेंसियां लोगों को बिना किसी त्वरित न्यायिक निगरानी के हिरासत में रख सकती थीं। दरअसल, नशीले पदार्थों से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिए गए चार लोगों से जुड़े इस प्रकरण ने, हिरासत में लेने और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच 18 घंटे के अंतराल की विसंगति को उजागर किया है। जिसका कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया था। वास्तव में गिरफ्तारी दिखाने में की गई यह देरी पुलिस को मनमाने ढंग से ताकत के इस्तेमाल और हिरासत में दुर्व्यवहार का मौका देती है। इसमें दो राय नहीं कि अक्सर आरोप लगते हैं कि गिरफ्तार व्यक्ति से मारपीट की गई और लंबी पूछताछ की गई। निस्संदेह, यह स्थिति भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली की छवि पर एक सवालिया निशान लगाती है।

हमारा संविधान किसी भी व्यक्ति को न्यायिक जांच के बगैर हिरासत में रखे जाने के खिलाफ सुरक्षा की गारंटी तो देता है, लेकिन यह सुरक्षा जांच अधिकारियों के रहमो-करम के भरोसे नहीं रह सकती है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को दो टूक शब्दों में कहना पड़ा कि किसी को हिरासत में लिये जाने की 24 घंटे की समय सीमा में केवल मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले उचित समय को ही घटाया जा सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि मजिस्ट्रेटों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे हिरासत में लिए जाने के वास्तविक समय को ही दर्ज करें। साथ ही यह भी कि वे स्वतंत्र रूप से इस बात की जांच करें कि क्या किसी व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया में संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन वास्तविक रूप से किया गया है। इसके साथ ही जरूरी है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण भी स्वतंत्रता के गैर-कानूनी हनन के खिलाफ एक कानूनी प्रभावी उपाय बना ही रहना चाहिए। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में भी न्याय व्यवस्था के लिये एक मार्गदर्शक का कार्य करेगा। जहां अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद के लगभग चार वर्षों में प्रिवेंटिव डिटेंशन को चुनौती देने वाली दो हजार से अधिक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं दायर की गई थीं। इस बात में दो राय नहीं हो सकती हैं कि जब कानूनी प्रावधान के क्रियान्वयन में देरी होती है, अथवा जवाबदेही पर्याप्त नहीं होती है, तो संवैधानिक स्वतंत्रता प्रभावहीन होकर रह जाती है। निस्संदेह, किसी भी तरह के अपराध के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ी जानी चाहिए, ताकि समाज में कानून का राज्य स्थापित हो सके। लेकिन इसका अर्थ मौलिक अधिकारों को कमजोर करना कदापि नहीं होना चाहिए। बहरहाल, अदालत के निर्देश का सार यह भी है कि पुलिस को कानून के दायरे में रहकर ही कोई भी जांच करनी चाहिए। साथ ही इस मामले में अदालतों को भी सतर्क रहना चाहिए।

बच्चों की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

डॉ. अर्चना शर्मा

आज बच्चों की सुरक्षा का प्रश्न घर की चारदीवारी से लेकर स्कूल, सड़क, सार्वजनिक स्थान और डिजिटल दुनिया तक फैला हुआ है। आज बाल सुरक्षा का अर्थ केवल बच्चों को शारीरिक शोषण से बचाना नहीं, बल्कि उन्हें भावनात्मक, सामाजिक और डिजिटल दुनिया में भी सुरक्षित वातावरण देना है।

भारत में बच्चों की सुरक्षा के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। शारीरिक और यौन शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर बुलिंग, असुरक्षित परिवहन तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं बच्चों के अधिकारों और विकास को प्रभावित करती हैं। भारत में बच्चों की सुरक्षा के लिए कई कानूनी और संस्थागत व्यवस्थाएं मौजूद हैं। बाल यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम यानी पॉक्सो, 2012 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों को रोकने और उनसे जुड़े मामलों में कार्रवाई का कानूनी आधार प्रदान करता है। किशोर न्याय, बालकों की देखरेख और संरक्षण, अधिनियम, 2015 कानून से संघर्षरत बच्चों और देखरेख की जरूरत वाले बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास तथा पुनःसमाजीकरण की व्यवस्था करता है। वहीं, मिशन वात्सल्य बच्चों की देखभाल और संरक्षण से जुड़ी सेवाओं को मजबूत करने का प्रयास है। इसके अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, 24 घंटे संकट में फंसे बच्चों तक सहायता पहुंचाने के लिए संचालित है और आपातकालीन सेवा 112 से एकीकृत है। सरकार ने 2025 में मिशन वात्सल्य पोर्टल को भी उन्नत किया, ताकि बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बेहतर हो सके।

लेकिन कानून और योजनाएं तभी प्रभावी होती हैं, जब वे जमीन पर



बच्चों तक पहुंचें। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2022 के आंकड़ों के अनुसार, देश में बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1,62,449 मामले दर्ज हुए। यह संख्या केवल कानूनी चुनौती नहीं, बल्कि सुरक्षा, जागरूकता और समय पर सहायता की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। बच्चों के साथ होने वाले अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ उन परिस्थितियों को समझना भी जरूरी है, जिनमें बच्चे स्वयं हिंसक व्यवहार की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं।

हाल के वर्षों में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर कम उम्र के बच्चों के बीच मारपीट, धमकी, समूह में किसी बच्चे को निशाना बनाना और आक्रामक व्यवहार की खबरें चिंता पैदा करती हैं। हालांकि, ऐसी घटनाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं कि 13 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों में हिंसा बढ़ रही है। इसके लिए आयु-विशिष्ट और तुलनात्मक राष्ट्रीय आंकड़ों की जरूरत है। फिर भी, किसी बच्चे का बार-बार हिंसक होना एक चेतावनी है, जिसे केवल अनुशासनहीनता कहकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। उसके पीछे उपेक्षा, घरेलू तनाव, बुलिंग, भावनात्मक कठिनाई, एकल परिवार, हिंसक सामग्री का संपर्क या साथियों का दबाव जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग की भूमिका पर भी संतुलित दृष्टि आवश्यक है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, एकल परिवारों में माता-पिता बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं। अक्सर बच्चे टीवी और मोबाइल पर अपना समय व्यतीत करते हैं। परंतु ये दोनों ही गतिविधियां कई बार माता-पिता की निगरानी के बिना होती हैं। टीवी और डिजिटल मीडिया बच्चों को कुछ नया सीखने, रचनात्मकता और मनोरंजन के अवसर देते हैं, लेकिन बिना निगरानी के हिंसक सामग्री, अपमानजनक भाषा और आक्रामक व्यवहार के लगातार संपर्क में रहना चिंता का विषय हो सकता है।

यदि कोई बच्चा गेम में बार-बार हिंसा को समस्या सुलझाने का तरीका देखता है और फिर वास्तविक जीवन में किसी विवाद के दौरान उसी तरह प्रतिक्रिया करता है, तो अभिभावकों और शिक्षकों को उसके व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन केवल गेम पर प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चे को यह समझाना भी जरूरी है कि डिजिटल दुनिया में दिखाई देने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में स्वीकार्य नहीं है। उम्र के अनुरूप सामग्री, स्क्रीन टाइम की सीमाएं, ऑनलाइन मित्रों और चैट की निगरानी तथा खुले संवाद से जोखिम कम किया जा सकता है। इस जिम्मेदारी का पहला केंद्र परिवार है। माता-पिता बच्चों के लिए केवल नियम बनाने वाले नहीं, बल्कि उनके व्यवहार के सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण भी हैं।

धर्म-ज्योतिष

मां लक्ष्मी और गणेश जी की आराधना 8 नवंबर को, प्रदोष में करें दीवाली पूजन

हर साल कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दीपवली का पर्व मनाया जाता है। हिंदू धर्म में दिवाली का पर्व सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस तिथि पर भगवान श्रीराम 14 साल का वनवास पूरा करके मां सीता और लक्ष्मण जी के साथ अयोध्या वापस आए थे। श्रीराम के अयोध्या वापस आने की खुशी में अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उत्सव मनाया था। वहीं दिवाली की रात धन की देवी मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। वैदिक पंचांग के मुताबिक कार्तिक माह की अमावस्या तिथि की शुरूआत 08 नवंबर की सुबह 11:27 मिनट से हो रही है। वहीं अगले दिन यानी की 09 नवंबर 2026 की रात 12:31 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। ऐसे में उदयातिथि और प्रदोष काल के आधार पर 08 नवंबर 2026 को दिवाली का पर्व मनाया जाएगा। वहीं इस दिन लक्ष्मी पूजा का मुहूर्त शाम 05: 54 से 07:50 बजे है और प्रदोष काल शाम 05:31 से 08:09 बजे तक है।



समसामयिक

मौजूदा लोकतंत्र में प्रासंगिक पंचतंत्र की शिक्षाएं

लुटियंस दिल्ली में हुए हालिया घटनाक्रम को याद करते हुए, शिक्षा-शास्त्र के प्राचीन ग्रंथ, पंचतंत्र की ओर ध्यान जाता है। यह हमें इन दिनों दुर्लभ सुकून और समझ प्रदान करता है। पंचतंत्र में पांच चक्र हैं, जो एक रहस्यमयी परतों में गुंथे हैं। इसकी लोकप्रियता कई पाठकों को इसे जानवरों की काल्पनिक कथाओं का संग्रह समझने पर मजबूर करती है, जिसमें जीवन जीने के ढंग सिखाने वाले मूल्य हैं। यह बात कुछ कहानियों के लिए सच हो सकती है, सबके लिए नहीं। इसीलिए कुछ चुनींदा कहानियां बच्चों के लिए बनी मानी जाती हैं।

पंचतंत्र की ज्यादातर कहानियों में एक गहरा राजनीतिक और प्रशासनिक संदेश है जिसकी व्याख्या करना एक चुनौती है। इनका ताना-बाना भी कम महत्वपूर्ण नहीं। इसमें प्रतीकात्मक अर्थों की अनेक परतें हैं, और यही चीज़ कहानियों में है। वे हमें उन अलग-अलग पहलुओं को समझने में मदद करती हैं जिनसे आम लोग राज्य-व्यवस्था से जुड़े महसूस करें। नागरिक अथवा



मानवाधिकारों का विचार आने से कहीं पहले लिखे गए 'पंचतंत्र' की बनावट, कहानियां और पात्र हमारी वर्तमान मुश्किलों से बहुत मिलते-जुलते हैं। अधिकार आधुनिक दुनिया में नागरिकता का एक आवश्यक अंग हैं, लेकिन वे अकेले ऐसी धुरी नहीं हैं जिससे नागरिक का राज्य-व्यवस्था से जुड़ाव हो। असल में, दार्शनिक नज़रिए से, राज्य लोगों से ही मिलकर बनता है, और उन्हीं की तरफ़ से राज्य-व्यवस्था के अधिक प्रत्यक्ष पदाधिकारी देश का कामकाज संभालते हैं। हालांकि, जो वोट हमें कभी-कभार डालना होता है, वह अक्सर हमें राज्य-व्यवस्था और उसके तंत्र के साथ अपने रोज़मर्रा के रिश्ते को भूल जाने पर मजबूर कर देता है। पंचतंत्र हमें उन अनेक तरीकों की याद दिलाता है जिनके माध्यम से समाज के आम लोग उस नीति का पालन करते हैं, जिस पर राज्य-व्यवस्था को आधारित माना जाता है। नीतिशास्त्र की पुस्तक के रूप में पंचतंत्र के पास आज हमें देने के लिए उससे कहीं ज़्यादा है जितना हम जानते हैं। हालांकि इसकी हर कहानी उस समस्या को हल करके खत्म होती है जिसको आधार बनाकर उसकी शुरुआत होती है, लेकिन कहानी के आखिर में हमेशा बहस का परिदृश्य बनता है, जो कथानक के परिणाम को रेखांकित करती है। इसके बाद एक और कहानी आती है। कथा के आखिर में जो बहस होती है, उससे अलग-अलग व्याख्या निकालने की गुंजाइश बढ़ जाती है, और इस तरह एक और कहानी की ज़रूरत महसूस होती है। दुनिया के मामलों पर विचार करने में, भाग-2 की कहानी के पात्र विशेष को पढ़कर बहुत खुशी मिलती है।

व्यापार

सोने में 2,500 और चांदी में 2,000 की बड़ी गिरावट

ऊंची कीमतों के चलते धनतेरस पर दिल्ली का सर्राफा बाजार रहा सुस्त

मृदुभाषी। नई दिल्ली

धनतेरस के पावन अवसर पर जहां पारंपरिक रूप से सोने और चांदी की जमकर खरीदारी होती है, वहीं इस बार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सुस्ती का माहौल दिखाई दिया। कीमती धातुओं की रिकॉर्ड ऊंची कीमतों और भावी दरों को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण खरीदारों ने इस बार बाजार में काफी सतर्कता दिखाई।

सुस्त मांग और ग्राहकों की दूरी के चलते शुक्रवार को दिल्ली के हाजिर सर्राफा बाजार में सोने के भाव में 2,500 प्रति 10 ग्राम की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जबकि चांदी भी 2,000 प्रति किलोग्राम सस्ती हो गई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनतेरस पर देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर और भगवान धन्वंतरि का पूजन कर नई खरीदारी करना



अत्यंत शुभ माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद ऊंची दरों के चलते इस बार बाजार में त्योहारी रंग थोड़ा फीका नजर आया। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,500 की गिरावट के साथ 1,46,300 प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया, जो कि पिछले कारोबारी सत्र गुरुवार को 1,48,800 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमतों में भी भारी गिरावट देखी गई और इसकी दरें 2,000 टूटकर 1,92,500 प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर बंद हुईं, जबकि इससे पूर्व सत्र में चांदी 1,94,500 प्रति किलोग्राम पर थी। अगर पिछले वर्ष के धनतेरस (18 अक्तूबर 2025) से तुलना करें, तो उस समय सोना 1,32,400 प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,70,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर उपलब्ध थी। इस प्रकार एक वर्ष की अवधि में दोनों धातुओं के भाव काफी ऊंचे स्तर पर पहुंच चुके हैं। कीमतों में आई इस तेजी का सीधा असर ग्राहकों के व्यवहार और कुल बिक्री पर पड़ा है। व्यापारियों और प्रमुख ज्वैलर्स के अनुसार, धनतेरस जैसे बड़े मौके पर भी बाजार में ग्राहकों का रुझान बेहद सुस्त रहा और पिछले साल की तुलना में बिक्री में कोई विशेष सुधार नहीं देखा गया। ऊंची कीमतों के कारण बहुसंख्यक खरीदार इस बार भारी-भरकम पारंपरिक आभूषणों को नजरअंदाज कर हल्के वजन वाले (लाइटवेट) आभूषणों को ही प्राथमिकता देते नजर आए। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर तिमाही में भारत में सोने के आभूषणों की मांग में मात्रा (वॉल्यूम) के लिहाज से 20 प्रतिशत की गिरावट आई है, हालांकि मूल्य (वैल्यू) के संदर्भ में यह सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़ी है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सोना मूल्य संचयन और पोर्टफोलियो विविधीकरण के लिए एक मजबूत विकल्प माना जाता है, जबकि चांदी सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश के अवसर प्रदान करती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी स्पॉट गोल्ड गिरावट के साथ 4,068.71 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि स्पॉट सिल्वर 52 डॉलर प्रति औंस पर मामूली बढ़त के साथ कारोबार करती दिखी। कुल मिलाकर, सांस्कृतिक महत्व के कारण खुदरा खरीदारी तो जारी रही, लेकिन बढ़ती कीमतों ने ग्राहकों को सीमित और विचारपूर्वक खरीदारी करने पर मजबूर कर दिया।

भारती एयरटेल ने जियो प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोड़ा

देश की दूसरी मूल्यवान कंपनी बनी, रिलायंस पहले स्थान पर बरकरार

मृदुभाषी। नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को एक बड़ा फेरबदल देखने को मिला, जब दूरसंचार प्रमुख भारती एयरटेल ने जियो प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का खिताब एक बार फिर अपने नाम कर लिया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से इस महत्वपूर्ण बदलाव ने दलाल स्ट्रीट पर खासी हलचल पैदा कर दी है।

शुक्रवार को बाजार बंद होने पर बीएसई पर भारती एयरटेल के शेयर 1.66 फीसदी की मजबूती के साथ 2,096.25 रुपये के स्तर पर बंद हुए। कारोबार के दौरान शेयर में जबरदस्त तेजी देखी गई और यह 2.81 फीसदी चढ़कर 2,120 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंच गया था। इसके विपरीत, रिलायंस इंडस्ट्रीज समर्थित जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में सुस्ती रही और ये 0.90 फीसदी की गिरावट के साथ 1,405.75 रुपये पर बंद हुए। इंट्राडे कारोबार में जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 2 फीसदी तक फिसलकर 1,390 रुपये पर आ गए थे। इस फेरबदल के बाद भारती एयरटेल का कुल बाजार मूल्यांकन 13,08,165.03 करोड़ रुपये (करीब 13 लाख करोड़ रुपये) दर्ज किया गया, जबकि जियो प्लेटफॉर्म्स का बाजार मूल्यांकन 12,94,559.51 करोड़ रुपये (लगभग 12.94 लाख करोड़ रुपये) पर आ गया। उल्लेखनीय है कि जियो प्लेटफॉर्म्स ने हाल ही में 28 अक्तूबर को शानदार शुरुआत के बाद यह मुकाम हासिल किया था, लेकिन अब एयरटेल ने अपनी मजबूत स्थिति फिर से स्थापित कर ली है। देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,83,723.93 करोड़ रुपये के विशाल बाजार मूल्यांकन के साथ अभी भी पहले पायदान पर मजबूती से बनी हुई है। इसके बाद भारती एयरटेल दूसरे, जियो प्लेटफॉर्म्स तीसरे, एचडीएफसी बैंक (12,14,530.78 करोड़ रुपये) चौथे और आईसीआईसीआई बैंक (11,26,722.63 करोड़ रुपये) पांचवें स्थान पर काबिज है। भारती एयरटेल की इस शानदार छलांग के पीछे सितंबर 2026 को समाप्त हुई दूसरी तिमाही का उनका मजबूत वित्तीय प्रदर्शन है। मोबाइल फोन टैरिफ दरों में हालिया बढ़ोतरी के बाद कंपनी के प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (ARPU) में इजाफा हुआ है, जिसके चलते कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ 24 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ 10,710 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी का मुनाफा 8,651 करोड़ रुपये था।

सेंसेक्स 80 हजार के पार: 1,718 अंक की जोरदार छलांग के साथ 81,028 पर बंद, निफ्टी भी 25 हजार के पार

मुंबई। वैश्विक बाजारों में सुस्ती और गिरावट के माहौल के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार, 6 नवंबर को ऐतिहासिक तेजी देखने को मिली। बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में 1,718 अंक (2.17 फीसदी) की शानदार बढ़त दर्ज की गई, जिसके साथ ही यह 81,028 के स्तर पर बंद हुआ। लगभग 8 महीने के लंबे अंतराल के बाद सेंसेक्स ने एक बार फिर 80,000 का आंकड़ा पार किया है। वहीं दूसरी ओर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 494 अंक (2.01 फीसदी) उछलकर 25,030 के स्तर पर सफलता पूर्वक बंद हुआ। उल्लेखनीय है कि बीते कल भी बाजार ने इस साल की दूसरी सबसे बड़ी



बढ़त दर्ज की थी, जब सेंसेक्स 2,009 अंक चढ़कर 79,310 पर बंद हुआ था। इससे पहले 8 अप्रैल को सेंसेक्स में 2,946 अंकों की सबसे बड़ी तेजी देखी गई थी। भारतीय बाजार में उछाल का यह लगातार सातवां दिन है। बीते 28 अक्टूबर से 6 नवंबर के दौरान ही सेंसेक्स 73,246 से बढ़कर 81,028 के स्तर पर पहुंच गया है, जो मात्र कुछ ही दिनों में 10.62 फीसदी की भारी बढ़त को दर्शाता है। भारतीय शेयर बाजार में आक्रामक तेजी के पीछे दो प्रमुख कारक काम कर रहे हैं। पहला मुख्य कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की ओर से की जा रही भारी खरीदारी है। विदेशी निवेशकों ने पिछले सात दिनों के दौरान भारतीय बाजार में 32,210 करोड़ का बड़ा पूंजी निवेश किया है, जिससे घरेलू बाजार को जबरदस्त मजबूती मिली है।

904 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी में फ्यूचर रिटेल और किशोर बियानी पर CBI की FIR, मुंबई में कई ठिकानों पर छापेमारी

मुंबई। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने 904.32 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी के मामले में फ्यूचर रिटेल लिमिटेड और उसके प्रवर्तक किशोर बियानी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। जांच एजेंसी ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए मुंबई में किशोर बियानी और कंपनी से जुड़े कई ठिकानों पर व्यापक तलाशी अभियान भी चलाया। सीबीआई अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, इस



मामले में किशोर बियानी के साथ उनके भाई राकेश बियानी, अज्ञात सरकारी कर्मचारियों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों को भी आरोपी बनाया गया है। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बयान जारी कर बताया कि यह पूरी कार्रवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है। आरोपियों पर धोखाधड़ी के लिए आपराधिक साजिश रचने और 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम' (प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट) की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। एसबीआई की शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित नौ बैंकों के एक कंसोर्टियम (समूह) से क्रेडिट सुविधाएं यानी लोन हासिल करने के लिए आपराधिक साजिश रची थी। फ्यूचर रिटेल कंपनी बिग बाजार, फैशन बिग बाजार और फूडहॉल जैसे लोकप्रिय हाइपरमार्केट व सुपरमार्केट का संचालन करती थी। सीबीआई का आरोप है कि कंपनी ने बैंकों से मंजूर कराए गए फंड का इस्तेमाल तय उद्देश्यों के बजाय अपनी सहयोगी कंपनियों और संबंधित इकाइयों के जरिए दूसरी जगह डायवर्ट (फंड ट्रांसफर) कर दिया।

सपनों की ट्रेन का स्वागत, खुशी में खिले चेहरे, दोपहर में ट्रॉली में बैठकर आए अधिकारी, वापसी में बोगी में बैठकर रवाना हुए

टीही से धार के बीच दौड़ी स्पेशल कोच, गुजरात एवं मुम्बई से सीधी कनेक्टिविटी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। धार के लिए शुक्रवार का दिन इतिहास में दर्ज हो गया। जब सायरन बजाते हुए स्पेशल ट्रेन मालवा की धरती पर पहुंची। टीही से धार के मध्य 47 किमी ट्रेक पर फाइनल ट्रायल के रूप में सीआरएस निरीक्षण हुआ, जो सफल रहा। अब जल्द ही लोगों को इंदौर से धार के बीच रेल में बैठकर सफर का आनंद मिलेगा।

दिवाली के पहले दिन धनतेरस पर हुई मिली इस सौगात से लोगों की खुशियों भी दोगुना कर दिया। बड़ी संख्या में लोग स्पेशल कोच को देखने के लिए धार स्टेशन पर पहुंची। दोपहर ठीक 2 बजे ट्रॉलियों में बैठकर रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ई-श्रीनिवास के साथ अधिकारियों के एक डेलीगेशन ने धार स्टेशन पर कदम रखा। अधिकारी अलग-अलग ट्रॉलियों में बैठकर आए थे। करीब एक घंटे तक बारीकी से पूरे स्टेशन का निरीक्षण किया।



110 की गति से आई, 130 की स्पीड से वापसी

टीही से धार जब ट्रेन आई तो उसकी स्पीड 110 किमी प्रति घंटा थी, वहीं रिर्टन में यही 130 की स्पीड से रवाना हुई। सीआरएस के साथ मुख्य पुल अभियंता भावेश झा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी विनित कुमार श्रीवास्तव, रतलाम डीआरएम अश्वनी कुमार, डिप्टी सीआरएस देव प्रकाश अधिकारी ट्रेन में बैठकर वापसी में लौटे। अधिकारियों ने संकेत दिया कि दो दिनी ट्रायल सफल रहा और अब इसकी रिपोर्ट केंद्रीय रेल मंत्रालय दिल्ली भेजी जाएगी। मंत्रालय से हरी झंडी मिलते ही नए रेल मार्ग पर नियमति ट्रेन संचालन का निर्णय लिया जाएगा। संभवतः नवंबर के अंत या दिसंबर में इंदौर से धार के बीच ट्रेन शुरू होगी।

धार के साथ इंदौर का भविष्य की इबारत लिखी जाएगी

भविष्य में रेलवे प्रोजेक्ट का विस्तार होना है। इसमें एक रूट झाबुआ, आलीराजुपर होकर दाहोद तक पहुंचेगा तो दूसरा अमझेरा, टांडा होते हुए छोटा उदयपुर रेल लाइन से कनेक्ट होगा। इससे धार के साथ ही इंदौर के लिए भविष्य की इबारत लिखी जाएगी। इंदौर मप्र की आर्थिक राजधानी और महाराष्ट्र की मुंबई (बांबे)। दोनों शहरों के बीच सीधी कनेक्टिविटी होगी। इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के पूरे होने से रोजगार और विकास के नए मार्ग खुलेंगे।

रेलवे ट्रेक पर दो दिवसीय रहा सीआरएस का निरीक्षण

सायरन बजाते हुए पटरी पर दौड़ती ट्रेन को देख खुशियों से खिल उठे चेहरे टीही से धार के बीच दो दिवसीय सीआरएस निरीक्षण हुआ। इसमें गुरुवार को अधिकारियों ने टीही स्टेशन से गुणावद तक ट्रॉली में बैठकर संपूर्ण ट्रेक का निरीक्षण किया।

दूसरे दिन शुक्रवार को ट्रेक पर स्पेशल कोच चलाकर ट्रायल हुआ। इसमें आगे की ओर इलेक्ट्रिक इंजन और उसके पीछे दो डिब्बे लगे हुए थे। दोपहर 2.25 बजे ट्रेन रेलवे स्टेशन पर सायरन बजाते हुए पहुंची तो लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस पल को लोगों ने मोबाइल में कैद किया। कई लोग परिवार की महिलाएं और बच्चों के साथ पहुंचे थे।

धनतेरस पर बाजार में जमकर बरसा धन, एक ही दिन में करोड़ों का कारोबार

सोना, चांदी, वाहन और अन्य सामग्रियों की जमकर हुई खरीदी, बाजार में पैदल चलना भी रहा दुश्वार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। दीपोत्सव की शुरूआत धनतेरस के साथ हो गई हे। इस दौरान बाजार में उत्साह व खुशियों की रोशनी छाई गई है। धनतेरस को लेकर लोगों में खासा उत्साह रहा। ग्राहकों की आमद से पूरे दिन बाजार में रौनक बिखरी। सोना, चांदी से लेकर बर्तन, ऑटो मोबाइल, कपड़े, फर्नीचर सहित अन्य दुकानों पर खूब भीड़ रही। लोग शुभ मुहूर्त में पसंद की वस्तुएं खरीदकर घर ले गए।

एक दिन में करीब 15 करोड़ का कारोबार हुआ। इस स्थिति से व्यापारियों की बांछें खिल गई। अच्छे व्यवसाय की आस में बाजार एक दिन पहले से संज संवरकर तैयार हो गया। लक्ष्मी भी मानो कृपा बरसाने के लिए बेताब नजर आई। आभूषण, बर्तन और ऑटोमोबाइल के बाजार में जबर्दस्त बूम देखने को मिला। इलेक्ट्रॉनिक आइटम, कपड़े, फर्नीचर व अन्य सामग्री की खरीदी ने इसे और ऊंचाई पर पहुंचा दिया। लोगों में सोने-चांदी व बर्तनों के बढ़े भाव का असर कहीं भी नजर नहीं आया।



बाजार में पैदल चलने के लिए कम पड़ गई जगह

सुबह से शाम तक मुख्य बाजार में पैर रखने की जगह नहीं थी। पूरे दिन बाजार में - लोगों की भीड़ उमड़ी। खरीदी का सिलसिला रात तक जारी रहा मुख्य बाजार में त्योहार को लेकर लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। यहां दोपहर बाद सड़क पर पैदल चलने के लिए जगह कम पड़ गई धानमंडी, आनंद चौपाटी, जवाहर मार्ग, राजवाड़ा, हटवाड़ा, मंडी रोड, शनिगली और बोहरा बाखल मार्केट में चारों तरफ भीड़ ही भीड़ नजर आई। यातायात व्यवस्था को लेकर भी यातायात पुलिस पूरी व्यवस्था सभाल रखी खुद सूबेदार रोहित निकम्म शहर में व्यवस्था देख रहे थे। साथ ही यातायात प्रभारी प्रेमसिंह ठाकुर खुद मैदान सँभालकर यातायात दुरुस्त करवा रहे थे। वही शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस जवान मौजूद थे।

कैसा रहा बाजार

सराफा: सजी-संवरी दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ उमड़ी। शुभ मुहूर्त में लोगों ने शगुन के तौर पर सोने-चांदी के सिक्के खरीदे। अन्य ज्वेलरी की भी खासी बिक्री हुई। एक दिन में ही शहर में लगभग 15 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। वही अणुश्री ज्वलेर्स संचालक विनित जैन ने अनुसार धनतेरस का दिन व्यवसाय के लिहाज से अच्छा साबित हुआ। ज्वेलरी व्यापारी मयंक जैन ने बताया कि लोगों में उत्साह देखा गया। पूजा-पाठ के लिए सोने-चांदी के सिक्कों के साथ डिजाइनिंग आभूषण को ग्राहकों ज्यादा हुई हैं।

कपड़ा : रेडीमेड कपड़ों के साथ गृह सज्जा उपयोग में आने वाले कुशन कवर, परदे, पिलो कवर, बेडशीट, सोफा कवर, साड़ी आदि की दुकानों पर विशेषकर महिलाओं की खासी भीड़ रही। वही नई कपड़ो कारोबार का आकलन भी अच्छा रहा है। वही कपड़ा व्यापारी अमीरदीप सौलंकी व कपिल आहूजा ने बताया कि दीपावली के त्यौहार होने से धनतेरस पर अच्छी खरीदी हुई।

इलेक्ट्रॉनिक्स: इलेक्ट्रॉनिक बाजार में दिनभर में करीब लाख रुपए का कारोबार हुआ। इलेक्ट्रॉनिक आइटम के विक्रेता गुलाब लववंशी के मुताबिक रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, टीवी, वाटर प्यूरीफायर, एलसीडी, डीवीडी प्लेयर, डीटीएच आदि की जमकर बिक्री हुई। बिजनेस की दृष्टि से दिन शुभ रहा।

फर्नीचर : व्यवसाय के हिसाब से धनतेरस फर्नीचर विक्रेताओं के लिए अच्छी रही। दुकानों पर देर रात तक खरीदी के लिए लोगों का हुजूम उमड़ा। दिनभर में करीब 15 लाख रुपए का कारोबार हुआ। फर्नीचर विक्रेता आशीष गोयल ने बताया कि मुख्य रूप से सोफासेट, डबल बेड, अलमारी, टीवी शोकेस, दीवान, डायनिंग टेबल के प्रति लोगों में रुझान रहा। पूरा दिन शुभ रहा।

बर्तन : हर साल की तरह इस बार भी लोगों का रुझान बर्तनों की खरीदी की ओर ज्यादा रहा। चमचमाते बर्तनों से बिखरी चमक के बीच सुबह से शाम तक शहर में लाख का व्यापार हुआ। बर्तन विक्रेता ने बताया कि आज ग्राहकों की आमद अच्छी रही। बहुत से लागों ने पुराने बर्तन के बदले नए बर्तन खरीदे। शगुन के तौर पर तांबे और पीतल के बर्तनों की जमकर खरीदी हुई

ऑटोमोबाइल: धनतेरस ऑटो मोबाइल क्षेत्र के लिए लक्ष्मी बरसा गई। शहर में एक दिन में ही सैकड़ो से अधिक दो पहिया वाहनों की बिक्री हुई। सुबह से शाम तक करीब 2 करोड़ से अधिक रुपए का व्यवसाय हुआ। बाइक की बिक्री लोगो ने अपने हिसाब की वही शनिवार होने के साथ धनतेरस का दिन था । टैक्टर शोरूम मालिक के करण विश्नोई ने बताया कि किसानों ने कृषि के लिए ट्रैक्टर खरीदे की क्योंकि धनतेरस था साल का सबसे बड़ा त्योहार हे, साथ ही खेती के उपकरण की खरीदी की।

मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने भैंसोला पहुंचकर निर्माण कार्यों का लिया जायजा

पीएम मित्र पार्क से बदलेगी मालवा की तस्वीर, लाखों लोगों को मिलेगा रोजगार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। बदनावर तहसील के भैंसोला में आकार ले रहे पीएम मित्र पार्क को लेकर शासन ने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने पर जोर दिया है। शुक्रवार को मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने पार्क का निरीक्षण कर निर्माण गतिविधियों और आधारभूत सुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं। इसके लिए माइक्रो प्लानिंग तैयार कर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक में सड़क, पानी, बिजली और ड्रेनेज सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्धारित माइलस्टोन के अनुसार अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। सड़क निर्माण की धीमी गति को देखते हुए मशीनरी की संख्या बढ़ाने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने पर जोर दिया। विद्युत व्यवस्था की समीक्षा के दौरान ट्रांसफार्मर जनवरी माह में आने की जानकारी दी गई। मुख्य सचिव ने मानव संसाधन की उपलब्धता और कार्यक्षमता की समीक्षा करते हुए कहा कि



अलग-अलग कार्यों को समानांतर रूप से संचालित किया जाए, ताकि परियोजना में अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक कार्य की समयबद्ध कार्ययोजना बनाने और उसकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

साप्ताहिक मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह निर्माण स्थल पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिविल निर्माण कार्यों में तेजी लाने के साथ ओवरहेड टैंक और सम्पवेल निर्माण की स्थिति की भी जानकारी ली। उनका कहना था कि बड़े प्रोजेक्ट को तय समय में पूरा करने के लिए हर स्तर पर जिम्मेदारी तय होना जरूरी है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास पर भी जोर

बैठक में पीएम मित्र पार्क में प्रस्तावित स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं के साथ पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। इसके अलावा बदनावर आईटीआई में अतिरिक्त रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, ताकि स्थानीय युवाओं को कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। बर्णवाल ने कहा कि पीएम मित्र पार्क के पूरी तरह विकसित होने से क्षेत्र की तस्वीर और अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा। इस परियोजना से लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त भास्कर लक्षकार, कलेक्टर राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, एमपीआईडीसी इंदौर की कार्यकारी संचालक प्रीति यादव, जिला पंचायत सीईओ अखिलेश कुमार जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आकर्षक रही रंगोली, सजाए दीप

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। दीपावली के अवसर पर महर्षि स्कूल मे विभिन्न स्पधाएँ संपन्न हुई। कक्षा 2 से 5 वी तक छात्र छात्राओ ने शुभकामनाओ के गिर्टिंग कार्ड बनाये और प्राचार्य एवम शिक्षिकाओ को भेट किये। कक्षा, 6 से 8 के विद्यार्थियों ने नयनाभिराम दिये सजाये। कक्षा 9 से 12 वी की 50 छात्राओ ने आकर्षक रंगोली बनाई । कु प्रियाशी यादव, राधिका यादव, मानसी कुशवाह, सुहानी , आदि ने नयनाभिराम रंगोली बनाई। कक्षा 8 वी एवम 7 वी कु काशवी व्यास, अनमोल पाटीदार, संध्या यादव, टीना यादव,विभूति चौबे, दीक्षा पगारे, भूमि कुशवाह कृतिका आदि ने दीप सज्जा में आकर्षक दिए सजाए।

संस्था के अकेडमिक डायरेक्टर राजेश व्यास ने बताया कि भारतीय पर्व पर संस्कारों एवं संस्कृति में रंगोली एवं सर्वत्र प्रकाश फैलाने वाले दीप का अत्यंत महत्व है। छात्र छात्राओ ने सुंदर एवम विभिन्न सामाजिक विषयों पर आकर्षक रंगोली बनाई। डायरेक्टर ब्रजेश व्यास एवं निलेश व्यास ने प्रतियोगिता मे भाग लेने वाले विद्यार्थियों की सराहना की।

वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर अड़े सफाईकर्मी, निकाली रैली

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर शुक्रवार को सफाई कर्मचारियों ने नगरपालिका परिसर में धरना प्रदर्शन किया। इसमें वेतन बढ़ाने और स्थायीकरण की मांगे शामिल हैं। इसके बाद कर्मचारियों ने बाइक रैली निकाली, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की और सरकार के प्रति नाराजगी जताई।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि उनकी विभिन्न मांगें लंबे समय से लंबित हैं। कर्मचारियों का कहना है कि



पिछले 15 साल से वेतन में बढ़ोतरी नहीं हुई है। इसके अलावा नियमितीकरण की मांग पर भी अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है, जबकि वे लंबे समय से संबंधित अधिकारियों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकर्षित करा रहे हैं, लेकिन समाधान नहीं होने के कारण उन्हें धरना और रैली के जरिए अपनी बात रखनी पड़ रही है।

...तो तीव्र होगा आंदोलन

नगरपालिका परिसर में धरने के बाद कर्मचारियों ने बाइक रैली निकाली। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान कर्मचारियों ने नारेबाजी कर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का जल्द निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

बिगड़ी सफाई व्यवस्था, लोगों को करना पड़ी सफाई

प्रदेशभर में सफाईकर्मियों की हड़ताल का असर शुक्रवार को शाजापुर में भी दिखा। सुबह से ही कर्मचारी एकजुट होकर हड़ताल पर रहे, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई। प्रमुख चौराहों और बाजारों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे रहे। दीपावली के नजदीक होने के कारण खरीदारी के लिए पहुंच रहे लोगों और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गंदगी बढ़ने पर कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानों के सामने खुद ही सफाई की। दुकानदार संजय भावसार ने बताया कि दीपावली नजदीक है और बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। ऐसे में दुकानों के सामने कचरा जमा होने से ग्राहक भी आने से कतरा रहे हैं। मजबूरी में उन्हें खुद सफाई करनी पड़ रही है।

कार्रवाई | कलेक्टर श्रीमती मीना द्वारा गठित दल की एनालॉग मावे पर बड़ी कार्रवाई

1050 किलो मिठाई एवं 30 किलो दूध नष्ट

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना द्वारा गठित संयुक्त जांच दलों ने जिलेभर में खाद्य निर्माण इकाइयों, मिष्ठान भंडारों एवं डेयरियों पर देवास शहर, खातेगांव एवं बागली (चापड़ा) में 1050 किलोग्राम से अधिक मिलावटी व अमानक मिठाइयों को ट्रेंचिंग ग्राउंड में विनष्टीकरण कराया गया। संयुक्त जांच दल ने देवास के नयापुरा स्थित न्यू स्वदेशी स्वीट्स पर एनालॉग मावे से बनी 770 किलोग्राम सामग्री को तत्काल प्रभाव से जब्त कर विनष्टीकरण कराया। इसके अतिरिक्त प्रतिष्ठान में घरेलू गैस का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर 2 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए तथा नापतौल विभाग द्वारा भी अनियमितता पर कार्रवाई की गई। संबंधित फर्म का खाद्य लाइसेंस निरस्त कराने हेतु सक्षम प्राधिकारी को प्रस्ताव भी प्रेषित किया जाएगा।

जांच दलों ने स्टेशन रोड स्थित राजस्थान स्वीट्स से एनालॉग मावे से तैयार लगभग 200 किलोग्राम मिठाई विक्रय हेतु रखी पाए



जाने पर उसे नष्ट कराया। लाल गेट स्थित रेखा मिष्ठान भंडार में मावे से निर्मित बर्फी में चींटियां एवं दूषित वातावरण पाए जाने पर लगभग 50 किलोग्राम मावा बर्फी का भी विनष्टीकरण कराया गया। वहीं हनुमान बाखल, अखाड़ा रोड स्थित गायत्री स्वीट्स से मावा बर्फी एवं बूंदी के लड्डू के नमूने लिए गए तथा प्रतिष्ठान में घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर 1 घरेलू सिलेंडर जब्त किया गया। जांच दल ने भोपाल चौराहा स्थित जोधपुर स्वीट्स से मावा मिठाई के 2 सैंपल, आवास नगर स्थित नवीन मिल्क प्रोडक्ट से 2 सैंपल तथा स्टेशन रोड स्थित माहेश्वरी स्वीट्स से मावा मिठाई के 2 विधिक नमूने भी जांच हेतु संग्रहित किए।

मिष्ठान दुकानों एवं होटलों की बारीकी से पड़ताल

खातेगांव और बागली अनुभाग में भी संयुक्त जांच दलों ने मिष्ठान दुकानों एवं होटलों की बारीकी से पड़ताल की, जिसके तहत खातेगांव के वार्ड क्रमांक 3 स्थित राजस्थान मिष्ठान भंडार से एनालॉग मावे से निर्मित लगभग 30 किलोग्राम मिठाई तथा लगभग 30 लीटर अमानक दूध का विनष्टीकरण कराया गया। साथ ही तीन बत्ती चौराहा स्थित राजस्थान स्वीट्स से बंगाली मिठाई व मलाई बर्फी, संदलपुर स्थित होटल एच.आर. ग्रीन एंड रिसॉर्ट से पनीर तथा खातेगांव स्थित प्रकाश स्वीट्स से मावा निर्मित मिठाइयों के नमूने लिए गए। इसी प्रकार बागली एवं चापड़ा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सांवरिया स्वीट्स बागली, बालाजी मिष्ठान भंडार चापड़ा तथा मनमाने स्वीट्स चापड़ा से मावा व मिठाइयों के विधिक सैंपल संग्रहित किए गए। इसी क्रमें देवास में कैलादेवी चौराहा स्थित जोधपुर स्वीट्स से 2 सैंपल, विकास नगर स्थित स्वास्तिक रेस्टोरेंट एंड केटरर्स से बेसन मिठाई के 4 सैंपल तथा रसूलपुर चौराहा स्थित बलराम नमकीन से मावा व ड्रायफ्रूट मिठाई के 3 सैंपल लिए थे, जबकि कैलादेवी चौराहा स्थित मुरैना गजक भंडार पर घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग मिलने पर 1 सिलेंडर जब्त किया गया था एवं एम.जी. रोड स्थित बलराम बेकरी पर नापतौल विभाग द्वारा वैधानिक कार्रवाई की गई थी।

धनतेरस पर उमड़ी बाजारों में भीड़

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। लंबे समय से जिस दिन का व्यापारी इंतजार कर रहे थे वह दिन आ ही गया और इस दिन व्यापारियों के मनमाफिक व्यापार भी हुआ। यह तो पहला दिन था और पहला ही दिन व्यापारियों के मनमाफिक रहा। जिसके चलते आने वाले दिनों में भी ऐसे ही व्यापार की उम्मीद है। बाजार में ऐसा लग रहा था कि शुभ मुहूर्त में लोग सब कुछ खरीदने के लिए उमड़ पड़े हो।बाजार में दिन भर पैर रखने के लिए भी जगह नसीब होती नहीं लग रही थी।

शुक्रवार को बारस-तेरस एक दिन रही। जिसकें चलते लोगो ने बाजार में निकलकर अपनी जरूरत की चीजों को मुहूर्त के हिसाब से खरीदा। यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा। व्यापारियों की माने तो पुष्य नक्षत्र पर जो उन्होंने उम्मीद जताई थी वह फीकी रही थी, जिसकी कमी धनतेरस पर पूर्ण हो गई। इस दिन रियल स्टेट सहित



दो पहिया, चार पहिया वाहनों के अलावा लोगों ने प्रॉपर्टी में भी रुचि दिखाई। पूरे जिले में देर रात तक बाजार रौनक रही रहे और करीब 15 करोड़ का कारोबार हुआ।

पूरे दिन व्यस्त रहे व्यापारी

धनतेरस पर बाजार में खूब धन बरसा। खासकर लोगों ने दो पहिया और चार पहिया वाहनों को लेकर ज्यादा रूचि दिखाई, जिसमें सबसे ज्यादा लोग ई-बाईक के शोरूम पर पहुंचे और ई-बाईक खरीदी। इसके अलावा ज्वेलरी शॉप पर भी लोगों ने रूचि दिखाते हुए चांदी के सिक्के और आभूषणों की खरीदारी की। तो बर्तन बाजार भी इस दिन चमक उठा। कुल मिलाकर हर वर्ग को इस दिन जिस तरह के व्यापार की उम्मीद थी वैसी ग्राहकी भी हुई।

तीन दिन बंपर ग्राहकी के

धनतेरस ने व्यापारियों की मौज कर दी। जिसके चलते अब दीपोत्सव पर्व तक व्यापारी अच्छे व्यापार की उम्मीद लगाए बैठे हैं। क्योंकि शुक्रवार को नगरवासियों ने जमकर खरीदारी की और बाजार में जमकर धनवर्षा हुई। इसके बाद कल 7 नवंबर को छोटी दिवाली और आगामी 8 नवंबर को दिवाली पर जमकर खरीदारी की उम्मीद है।

30 हजार लेते धराए परियोजना अधिकारी और सुपरवाइजर

सहायिका की नियुक्ति के नाम पर 80 हजार की रिश्वत मांगने का आरोप

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



बड़ौद (आगर-मालवा)। उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने आगर-मालवा जिले के बड़ौद में कार्रवाई करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी भगतसिंह चौहान और सुपरवाइजर जयश्री खींची को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। दोनों पर एक महिला की आंगनवाड़ी सहायिका पद पर नियुक्ति के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है।

लोकायुक्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिनायगा बड़ौद निवासी बहादुर लोहार ने 4 नवंबर को उज्जैन लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार दीक्षित को शिकायत की थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि उसकी पत्नी रामू की महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायिका पद पर नियुक्ति के लिए परियोजना अधिकारी भगतसिंह चौहान और सुपरवाइजर जयश्री खींची द्वारा 80 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायतकर्ता के निवेदन पर कथित तौर पर 60 हजार रुपए में सौदा तय हुआ था।

शिकायत का सत्यापन करने के बाद कार्रवाई

शिकायत का सत्यापन करने के बाद लोकायुक्त टीम ने ट्रैप कार्रवाई की। इस दौरान रिश्वत की पहली किश्त के रूप में 30 हजार रुपए लेते हुए परियोजना अधिकारी और सुपरवाइजर को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। यह कार्रवाई लोकायुक्त संगठन के महानिदेशक योगेश देशमुख के निर्देशन, उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज कुमार सिंह तथा उज्जैन लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार दीक्षित के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में डीएसपी दिनेशचंद पटेल, निरीक्षक हीना डावर सहित प्रधान आरक्षक हितेश ललावत, आरक्षक शिव कुमार शर्मा, संदीप राव कदम, विशाल रेशमिया तथा सहायक ग्रेड-3 रश्मि महेश्वरी और सुनीता चौधरी शामिल रहे। लोकायुक्त संगठन ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई शासकीय अधिकारी या कर्मचारी सरकारी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है तो इसकी शिकायत उज्जैन लोकायुक्त कार्यालय के दूरभाष नंबर 0734-2512756 पर की जा सकती है।

स्वामित्व योजनाः धनतेरस पर डापक्या के ग्रामीणों को मिली बड़ी सौगात

ग्रामीणों को मिला अपनी संपत्ति का कानूनी अधिकार, रजिस्ट्री वितरित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



खंडवा/पंधाना। धनतेरस का पर्व पंधाना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम डापक्या और ग्राम पंचायत मांडवा के हितग्राहियों के लिए विशेष खुशियां लेकर आया। शुक्रवार को धनत्रयोदशी के पावन अवसर पर स्वामित्व योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को उनके मकान और भूखंड की स्वामित्व रजिस्ट्रियां वितरित की गईं। वर्षों से अपने मकानों में निवास कर रहे ग्रामीणों को अब संपत्ति का वैधानिक मालिकाना अधिकार मिलने से उनके चेहरों पर खुशी नजर आई। ग्रामीणों का कहना रहा कि जिस जगह पर वह अब तक रह रहे थे, वह जगह तो उनकी थी, किन्तु अब तक उनके पास उस जगह का मालिकाना हक नहीं था। इस रजिस्ट्री के मिलने के बाद अब वह मालिक हो गए है। कार्यक्रम के दौरान इसकी प्रसन्नता और सुकून साफ तौर पर ग्रामीणों के चेहरों पर देखने को मिला।

कार्यक्रम में पंधाना विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता छाया मोरे ने हितग्राहियों को स्वामित्व रजिस्ट्रियों का वितरण किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट श्याम गंगराडे, मंडल अध्यक्ष फकीरचंद कुशवाह, एसडीएम पंधाना दिनेश सावले सहित तहसीलदार, पटवारी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। विधायक का कहना रहा कि रजिस्ट्री वितरण उनके हाथों से हुआ है। इसको लेकर वह खुद भी गौरवांवित है।

आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण पहल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक छाया मोरे ने स्वामित्व योजना को ग्रामीण परिवारों के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि संपत्ति का कानूनी अधिकार मिलने से ग्रामीणों को न केवल अपने मकान और भूखंड पर मालिकाना हक मिलेगा, बल्कि भविष्य में आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे।

अब संपत्ति बनेगी आर्थिक मजबूती का आधार

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि स्वामित्व रजिस्ट्री मिलने से ग्रामीणों के लिए अपनी संपत्ति का उपयोग आर्थिक जरूरतों के लिए करना आसान होगा। अब वे अपने मकान या भूखंड के वैधानिक दस्तावेजों के आधार पर नियमानुसार बैंक से ऋण प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। इससे मकान निर्माण, मरम्मत और स्वरोजगार जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। हितग्राहियों ने शासन की इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि अब तक वे अपने मकानों में वर्षों से रह रहे थे, लेकिन उनके पास मालिकाना हक का पुख्ता दस्तावेज नहीं था। स्वामित्व रजिस्ट्री मिलने से उन्हें अपनी संपत्ति पर कानूनी अधिकार मिला है। इससे भविष्य में बैंक से ऋण लेने और संपत्ति से जुड़े अन्य कार्यों में भी सुविधा होगी। ग्रामीणों को जानकारी दी गई कि स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को उनकी आवासीय संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना ग्रामीणों को संपत्ति का मालिकाना हक देने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का आधार भी तैयार कर रही है। धनतेरस के अवसर पर रजिस्ट्री प्राप्त करने वाले हितग्राहियों के लिए यह सौगात लंबे समय तक यादगार रहेगी।

60 साल का अंधेरा हुआ दूर

दिवाली पर आदिवासी बस्तियों में पहुँची रोशनी



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महेश्वर। दीपावली के पावन पर्व पर महेश्वर के समीप स्थित नयापुरा बुड़की में आदिवासी बस्ती में खुशियों की नई रोशनी पहुँची। पिछले लगभग 60 वर्षों से बिजली की सुविधा से वंचित इस बस्ती के परिवार अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर थे। क्षेत्रीय विधायक श्री राजकुमार जी मेव एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री विक्रम पटेल के प्रयासों से दीपावली के दिन इन परिवारों के घरों तक बिजली पहुँचाने का कार्य किया गया।

वर्षों से अंधेरे में जीवन बिता रहे परिवारों के घरों में रोशनी पहुँचते ही बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और माताओं के चेहरों पर खुशी साफ झलकने लगी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं ने बस्ती में पहुँचकर परिवारों के साथ दीपावली मनाई और उनकी खुशियों में सहभागी बने। इस पहल ने दीपावली के पर्व को इन परिवारों के लिए और भी यादगार बना दिया। वास्तव में दीपावली का असली अर्थ तभी सार्थक होता है, जब समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन में भी खुशियों और उजाले का संचार हो।

आओ जलाएँ दीप वहाँ, जहाँ अभी भी अंधेरा है

इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि आओ जलाएँ दीप वहाँ, जहाँ अभी भी अंधेरा है। इसी भावना और संकल्प के साथ दीपावली के अवसर पर यह सराहनीय पहल की गई, जिसने वर्षों से अंधेरे में रह रहे परिवारों के जीवन में उम्मीद और खुशियों का नया उजाला भर दिया। इस अक्सर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश मित्तल, राजेंद्र सराफ, दिनेश यादव, महादेव पाटीदार, भवानी सिंगारे, दीपक यादव, भूपेंद्र जैन, राम सेन, सयंक जसवाल, यश राज यादव, पार्षद प्रतिनिधि दिनेश यादव, रोहित केवट एवं एमपीईबी के गणेश नहाले व उनकी टीम व बस्ती के नागरिक उपस्थित रहे

टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियन वार्ड-9

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



कसरावद। नाका पैनल द्वारा आयोजित छह दिवसीय रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए वार्ड नंबर 9 की टीम ने जीत दर्ज कर टूनार्मेंट का चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वार्ड नंबर 4 की टीम उपविजेता रही।

छह दिनों तक चले इस क्रिकेट टूनार्मेंट में क्षेत्र की विभिन्न टीमों ने उत्साह के साथ भाग लिया। टूनार्मेंट के दौरान खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल, बल्लेबाजी और गेंदबाजी से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं दर्शक मैदान में मौजूद रहे। दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अंततः वार्ड नंबर 9 की टीम ने बाजी मारते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। पूरे टूनार्मेंट में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करने वाले लल्ली पाटीदार को उनके उत्कृष्ट खेल के लिए मैन ऑफ द सीरीज के खिताब से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता वार्ड नंबर 9 की टीम को 11,000 रुपये, उपविजेता वार्ड नंबर 4 की टीम को 7,000 रुपये तथा मैन ऑफ द सीरीज लल्ली पाटीदार को 2,100 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई।

प्रतिभाओं को उभारने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी

पुरस्कार वितरण नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि पप्पू सोनी, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र यादव एवं नाका पैनल के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को शुभकामनाएं देते हुए खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की तथा इस प्रकार के खेल आयोजनों को युवाओं की प्रतिभा निखारने और खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बताया। जैसे ही वार्ड नंबर 9 की टीम के चैंपियन बनने की घोषणा हुई, पूरा मैदान आतिशबाजी की रोशनी से जगमगा उठा। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ विजेता टीम का उत्साहवर्धन किया। खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में जीत को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

अरुण बोरले अध्यक्ष एवं प्रकाश सपकाले महामंत्री

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

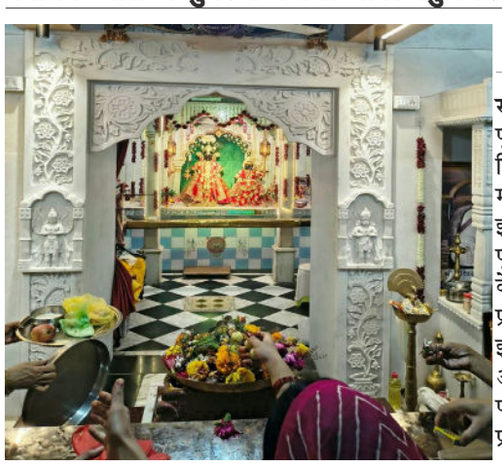


खंडवा। भारत तिब्बत समन्वय संघ, जिला खंडवा की बैठक प्रांत उपाध्यक्ष रामचंद्र मौर्य एवं प्रांत महामंत्री बलराज नवानी की उपस्थिति में संपन्न हुई । इस महत्वपूर्ण बैठक में भारत तिब्बत समन्वय संघ की पूर्व निमाड़ जिला खंडवा की नवीन इकाई का गठन भी किया गया।

समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि नवीन गठन इकाई में अरुण कुमार बोरले को अध्यक्ष एवं प्रकाश सपकाले को महामंत्री के पद पर मनोनयन किया गया। जिला उपाध्यक्ष रमेश चौधरी, मनोज यादव, जगदीश सिटोके, प्रचार मंत्री वेद प्रकाश शर्मा (वेदु), सहमंत्री दिनेश चौकसे बंटी, कार्य कारिणी में विनायक राव दराड़े, भोला सिंह एवं रिटायर्ड डीएसपी देवकी नंदन राजावत को संयोजक मनोनीत किया गया। सुनील जैन ने बताया इस अवसर पर उपस्थित भारत तिब्बत समन्वय संघ के कार्य कताओं, सदस्यों ने जिला इकाई में नव नियुक्त समस्त पदाधिकारियों को बधाईयां देते हुए भगवान भोलेनाथ जी के मूल स्थान कैलाश मानसरोवर (तिब्बत) की चीन से मुक्ति का संकल्प लिया। इकाई के प्रचार मंत्री वेद प्रकाश शर्मा ने बताया कि बैठक में आगामी समय में भारत तिब्बत समन्वय संघ के केंद्रीय संयोजक हेमेंद्र प्रताप सिंह के खंडवा प्रवास को लेकर भी चर्चा की गई।

विट्ठल मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, काकड़ा आरती में शामिल होकर किए भगवान के दर्शन

कार्तिक मास में सुबह 5 बजे से मंदिर पहुंच रहे भक्त, महिला मंडल भजनों से कर रहा भक्तिमय वातावरण



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्ट

खंडवा। कार्तिक मास में प्रातः स्नान, पूजा-पाठ और भगवान के दर्शन का विशेष धार्मिक महत्व है। कार्तिक मास में कई बड़े त्यौहार भी आते हैं। इस माह में श्रद्धालु मंदिरों में पहुंचकर पूजा अर्चना करते हैं। इसी परंपरा के चलते शहर के घंटाघर के समीप प्राचीन भगवान श्री विट्ठल मंदिर में इन दिनों सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। दीपावली पर्व और कार्तिक मास के अवसर पर प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु सुबह 5 बजे से मंदिर पहुंचकर काकड़ा आरती में शामिल हो रहे हैं। इसके साथ ही भक्त कार्तिक मास की पोथी का श्रवण कर धर्मलाभ ले रहे हैं।

शुक्रवार को दीपावली की चंवला बारस के साथ ही धनतेरस का पर्व भी श्रद्धालुओं द्वारा मनाया गया। धनतेरस के अवसर पर भी विट्ठल मंदिर में सुबह से भक्तों की भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने भगवान विट्ठल और माता रुक्मणी के दर्शन किए तथा काकड़ा आरती में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। आरती के पश्चात मंदिर परिसर में कार्तिक मास की पोथी का वाचन किया गया, जिसका श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। मंदिर में आरती के बाद महिला मंडल की ओर से भगवान के भजनों की प्रस्तुति दी जा रही है। भक्ति गीतों से मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय हो रहा है। सुबह की आरती, पोथी श्रवण और भजन-कीर्तन के माध्यम से श्रद्धालु कार्तिक मास की धार्मिक परंपराओं से जुड़ रहे हैं। इस दौरान मंदिर का वातावरण पूरी तरह से धर्ममय बना रहा और भगवान विठ्ठल जी एवं माता रक्मिणी के जयकारे गूंजते रहे।

भगवान विट्ठल और माता रुक्मणी का आकर्षक श्रृंगार

पांच दिवसीय दीपावली त्यौहार के अवसर पर मंदिर व्यवस्थापक राम, श्याम आष्टेकर परिवार की ओर से भगवान विट्ठल और माता रुक्मणी का आकर्षक श्रृंगार किया गया है। विशेष साज-सज्जा और मनमोहक श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कार्तिक मास के दौरान मंदिर में प्रतिदिन धार्मिक आयोजन जारी हैं। उल्लेखनीय है कि यह मंदिर भक्तों की विशेष आस्था का केन्द्र है।

नवागत पुलिस अधीक्षक ने ली समीक्षा बैठक

कानून व्यवस्था से नहीं होगा कोई भी समझौता

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



अलीराजपुर। नवागत पुलिस अधीक्षक असमर वर्मा द्वारा शुक्रवार को पुलिस नियंत्रण कक्ष में जिले के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी त्योहारों के दृष्टिगत जिले में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। एसपी ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

बैठक के प्रारंभ में एसपी द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों से परिचय प्राप्त किया गया तथा उनके संबंधित थाना क्षेत्रों की भौगोलिक एवं सामाजिक परिस्थितियों, अपराध की प्रकृति, स्थानीय गतिविधियों एवं कानून व्यवस्था से संबंधित संवेदनशील विषयों की जानकारी प्राप्त की गई। इसके पश्चात जिले में घटित अपराधों की अनुभाग एवं थाना स्तर पर सांख्यिकीय समीक्षा करते हुए अपराधों की प्रवृत्ति, उनकी रोकथाम तथा प्रभावी नियंत्रण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।

विवेचना में आ रही कठिनाइयों पर वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन लें

एसपी ने निर्देशित किया गया कि प्रत्येक लंबित प्रकरण में विवेचना की प्रगति का नियमित पर्यवेक्षण किया जाए तथा प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में विधिसम्मत एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए। विवेचना में आ रही कठिनाइयों का वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त कर निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं परिवहन, नकली शराब एवं अवैध ताड़ी के कारोबार तथा अवैध मादक पदार्थ गांजे के विरुद्ध प्रभावी एवं कठोर वैधानिक कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही अपराधों की रोकथाम के लिए प्रतिबंधात्मक धाराओं के अंतर्गत बाउंड ओवर की कार्रवाई प्रभावी रूप से करने तथा जिन अपराध शीर्षों में वृद्धि परिलक्षित हो रही है, उनका सूक्ष्म विश्लेषण कर अपराध नियंत्रण हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

फरियादी के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएं

एसपी द्वारा यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने, आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेने तथा प्रत्येक पीड़ित एवं फरियादी के साथ संवेदनशीलता, शालीनता एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनहित सर्वोपरि होना चाहिए तथा आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण व्यावसायिक दक्षता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करें। एसपी ने दीपावली पर्व के दौरान जिले में शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु विशेष सतर्कता बरतने की बात कही। इस दौरान एसडीओपी शक्तिसिंह चौहान, एसडीओपी जोबट आशुतोष पटेल, उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) गोपाल परमार सहित जिले के समस्त थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

सुबह पूजे गाय गोहरे, शाम को लक्ष्मी पूजन



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्ट

खरगोन। कार्तिक मास द्वादशी तिथि पर शुक्रवार को महिलाओं ने पारंपरिक रूप से गाय-गोहरे की पूजा की। इस बार तिथियों की घट-बढ़ के चलते सुबह द्वादशी एवं दोपहर बाद धनतेरस मनाई गई। सुबह से ही महिलाएं पूजा की थाल लिए घर से निकलने लगी। शहर की ग्रीन गोल्ड कॉलोनी स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में एकत्रित हुई महिलाओं ने गोवंश के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और परिवार की सुख.समृद्धि की कामना की।

पूजा करने पहुंची महिला संगीता बड़ोले, रंजीता पाटीदार आदि ने बताया कि कार्तिक मास की द्वादशी को बछ बारस भी कहा जाता है। यह पूजा गोधन के महत्व और पर्यावरण संरक्षण की भावना को दशार्ती है। इसी के साथ दीपावली की धूम भी शुरू हो जाती है। भारतीय संस्कृति में गाय को पवित्र माना जाता है और इसे संपन्नता एवं कल्याण का प्रतीक माना जाता है।

मंदिर के संस्थापक श्याम बड़ोले ने बताया यह पर्व सनातन संस्कृति और आस्था का अटूट हिस्सा है, जो पीढ़ियों से चला आ रहा है। भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है। गोधन संपन्नता और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है।

धूं-धूं कर जली सड़क के किनारे खड़ी कार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। शहर के गीता कॉलोनी क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब सड़क किनारे खड़ी एक कार में अचानक भीषण आग लग गई। दोपहर करीब 12:20 बजे हुई इस घटना में देखते ही देखते आग की तेज लपटों ने वाहन के अगले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। कार से अचानक उठते धुएं और फिर भड़की लपटों को देखकर इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क किनारे खड़ी कार से पहले हल्का धुआं निकलता दिखाई दिया, जिसके कुछ ही देर बाद कार से ऊंची लपटें उठने लगीं। घटना की गंभीरता को समझते हुए स्थानीय निवासियों ने बिना किसी देरी के तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचित किया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम बिना समय गंवाए मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई शुरू की।

दमकलकर्मियों ने मशक्कत से पाया आग पर काबू

दमकलकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए कार पर पानी की बौछारें कीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग को आसपास फैलने से रोकते हुए उस पर पूरी तरह काबू पा लिया। हालांकि, जब तक आग बुझाई जाती, तब तक कार का अगला हिस्सा जलकर पूरी तरह खाक हो चुका था। राहत की बात यह रही कि हादसे के वक्त कार में कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि या चोट की सूचना नहीं है। फिलहाल कार में आग लगने का सटीक कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आग शॉट सर्किट के कारण लगी या किन परिस्थितियों में यह हादसा हुआ।

आउटसोर्स कर्मचारियों को मिला तीन माह का मानदेय

गुना। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत मल्टी ग्रुप-डी आउटसोर्स कर्मचारियों को पिछले तीन माह से मानदेय का भुगतान नहीं हो रहा था। इस समस्या को लेकर मल्टी ग्रुप-डी वर्कर्स द्वारा कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल से मुलाकात कर मानदेय भुगतान कराने का अनुरोध किया गया। कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कर्मचारियों का लंबित मानदेय भुगतान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

उज्जैन रेलवे बायपास परियोजना: मुआवजे और अलाइनमेंट को लेकर किसानों का विरोध

किसानों के विरोध के चलते उलटे पैर वापस लौटी सर्वे टीम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। सिंहस्थ-2028 के मद्देनजर उज्जैन में प्रस्तावित 189 करोड़ रुपए की रेलवे बायपास परियोजना को लेकर स्थानीय किसानों का असंतोष सामने आने लगा है। शुक्रवार को नईखेड़ी से चिंतामन तक 8.60 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित रेल लाइन का सर्वे करने पहुंची प्रशासनिक और रेलवे अधिकारियों की टीम को किसानों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार, पटवारी और रेलवे अधिकारियों को बिना सर्वे कार्य पूरा किए ही उलटे पैरक वापस लौटना पड़ गया।

किसानों का मुख्य आरोप है कि रेलवे प्रशासन ने इस परियोजना के अलाइनमेंट को 4 से 5 बार बदला है। शुरूआत में ऐसे विकल्पों पर विचार किया जा रहा था, जिनमें कम जमीन के अधिग्रहण के साथ निर्माण लागत भी कम आती। हालांकि, बाद में रूट बदल दिए जाने से अब दाउदखेड़ी, चिंतामन, मोहनपुरा, मंगरोला और उज्जैन कस्बा जैसे पांच गांवों के 85 सर्वे नंबरों की उपजाऊ जमीन अधिग्रहण के दायरे में आ रही है। किसानों का कहना है कि बार-बार रूट बदलने से प्रभावित किसानों के बीच भ्रम और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसके अलावा, अलाइनमेंट को लेकर कोर्ट में आपत्ति दर्ज कराई गई है, जहां रेलवे अधिकारियों ने जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा है। बावजूद इसके, बिना पूर्व सूचना या नोटिस के अचानक सर्वे टीम मौके पर पहुंच गई।



मुआवजे की राशि को लेकर भी किसानों में भारी आक्रोश

मुआवजे की राशि को लेकर भी किसानों में भारी आक्रोश है। किसानों के अनुसार, इस क्षेत्र में सात कॉलोनियां विकसित हो चुकी हैं और बड़े होटल भी बन चुके हैं, जिससे जमीन की बाजार कीमत 3 से 4 करोड़ रुपए प्रति बीघा तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, प्रशासन द्वारा 15 लाख रुपए की गाइडलाइन के हिसाब से चार गुना यानी लगभग 60 लाख रुपए प्रति बीघा मुआवजा देने की मौखिक बात कही जा रही है। किसानों की मांग है कि रेलवे और प्रशासन सभी प्रभावित किसानों के साथ बैठकर जमीन अधिग्रहण की दर, भूमि का क्षेत्रफल और मुआवजे की गणना का पूरा ब्यौरा लिखित में सार्वजनिक करे।

किसानों को दिवाली के बाद कार्यालय बुलाकर जानकारी दी जाएगी

नायब तहसीलदार दीप्ति मांझी का कहना है कि टीम खेतों में मौजूद ट्यूबवेल और पेड़ों जैसी परिसंपत्तियों का मूल्यांकन करने गई थी और किसानों को दिवाली के बाद कार्यालय बुलाकर पूरी जानकारी दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 189.04 करोड़ रुपए की इस परियोजना के तहत इंदौर से नागदा की ओर जाने वाली ट्रेनों को उज्जैन स्टेशन लाए बिना सीधे निकाला जा सकेगा। इससे ट्रेनों का रिवर्सल समय बचेगा और सिंहस्थ के दौरान उज्जैन स्टेशन पर ट्रेनों का दबाव करीब 30% कम होगा। हालांकि, अलाइनमेंट और मुआवजे की आपत्तियों के चलते परियोजना के सामने शुरूआत में ही बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

4 मौतों के बाद टूटी नींद होटल पर 2 लाख का जुर्माना

श्री गंगा होटल में सफाई के दौरान हुई थी चार मौतें

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। शहर के देवास रोड स्थित श्री गंगा होटल में सफाई के दौरान चेंबर में गिरने से 4 लोगों की दर्दनाक मौत के बाद नगर निगम प्रशासन सख्त मोड में आ गया है। इस दुखद हादसे के बाद शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने होटल की सफाई व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और ड्रेनेज सिस्टम का गहन निरीक्षण किया। जांच के दौरान मौके पर गंभीर खामियां और भारी लापरवाही उजागर हुईं, जिसके बाद नगर निगम ने होटल संचालक पर 2 लाख रुपए का भारी जुर्माना ठोक दिया है।

नोडल अधिकारी एवं सहायक आयुक्त रविकांत मगरदे, सहायक आयुक्त घनश्याम मचार और पवन कुमार फुलफकीर की अगुवाई में पहुंची निगम की टीम को निरीक्षण में मिला कि होटल में गीले और सूखे कचरे का अलग-अलग पृथक्करण नहीं किया जा रहा था। इसके अलावा, होटल का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) पूरी तरह बंद पाया गया और ड्रेनेज टैंकों में भारी मात्रा में गाद जमा थी। पूरा प्लांट बदहाल स्थिति में संचालित हो रहा था।

जुर्माने के साथ होटल को जारी किया नोटिस

इन गंभीर लापरवाहियों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए निगम ने जुर्माना लगाने के साथ ही होटल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि कचरा प्रबंधन के नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए और बंद पड़े एसटीपी प्लांट को तुरंत चालू हालत में लाया जाए।इस कार्रवाई के बाद नगर निगम ने शहर के सभी बड़े होटलों, व्यावसायिक संस्थानों और बल्क वेस्ट जनरेटरों को सख्त चेतावनी जारी की है। निगम ने साफ कहा है कि गीले-सूखे कचरे का निपटान, एसटीपी और ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त रखना संस्थानों की प्राथमिक जिम्मेदारी है; नियमों की अनदेखी करने वालों पर आगे भी इसी तरह कठोर दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

11 नवम्बर को भाईदूज पर रहेगा स्थानीय अवकाश

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा वर्ष 2026 के लिये गुना जिले के लिए तीन स्थानीय अवकाश घोषित किये गए है। जारी घोषित स्थानीय अवकाश के तहत महानवमी 11 नवम्बर 2026 बुधवार को जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। उक्त अवकाश जिले के कोषालय/उप कोषालय के लिये लागू नहीं रहेगा।

बापू की कुटिया पर सजीं पटाखा दुकानें

80 व्यापारियों को मिले लायसेंस, प्रशासन ने किए इंतजाम, चौबीस घंटे तैनात रहेगी फायर ब्रिगेड

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। दीपावली पर्व 8 नवंबर को मनाया जाएगा। जिसकी रौनक बाजारों में नजर आने लगी है। कहीं सजावटी दुकाने लगी हैं तो कहीं पर आकर्षक विद्युत सज्जा की जा रही है। वहीं नगर के लालघाटी स्थित बापू की कुटिया पर भी पटाखा व्यवसायियों ने अपनी दुकाने सजाना शुरू कर दी है। इसके लिए 80 व्यापारियों को लाइसेंस जारी किए गए हैं। वहीं नगर पालिका द्वारा सुरक्षा इंतजाम भी किए गए हैं ताकि कोई हादसा न हो।

नगर की बापू की कुटिया के पास बने मैदान में पटाखों की करीब 80 दुकानों को अधिकृत किया गया है। प्रत्येक दुकान का आकार 15 बाय 15 फीट रहेगी। वहीं नगर पालिका ने पटाखा व्यापारियों को दुकानों के बीच



सुरक्षा की दृष्टि से कम से कम 3 फीट की जगह छोड़ने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा प्रत्येक दुकान के आसपास लोहे की चादरें लगाना भी अनिवार्य किया गया है। इससे आगजनी की घटना होने पर आग को फैलने से रोकने में मदद मिलेगी।

प्रति दुकान से जमा कराई निश्चित राशि

नगर पालिका कर्मचारियों के अनुसार प्रत्येक दुकान संचालक को 1756 रुपए जमा करने होंगे। इसके बदले उन्हें रसीद दी जाएगी। इसके बदले उन्हें पटाखा बाजार के दौरान मैदान में बिजली, पानी और टेंट की व्यवस्था भी नगर पालिका की ओर से की जाएगी। इसके अलावा नगर पालिका द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के लिए पटाखा बाजार में 24 घंटे दमकल गाड़ियां तैनात रखने की तैयारी की है। करीब 4 से 5 दिनों तक लगने वाले इस बाजार में आगजनी जैसी घटनाओं से निपटने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

बच्चों और बड़ों के लिए अलग-अलग पटाखे

बापू की कुटिया पर सजे पटाखा बाजार में बच्चों और बड़ों के लिए अलग-अलग पटाखे हैं। व्यापारियों ने बताया कि बच्चों के लिए फुलझड़ी, छोटा भीम पटाखा और बटरफ्लाई व लसन बम जैसे कम आवाज वाले पटाखे उपलब्ध हैं। जबकि बड़ों के लिए 10 हजार बम की लड़, सुतली बम, 20 शॉट, 30 शॉट और चकरी व अनार सहित कई तरह के पटाखे उपलब्ध हैं। पटाखा व्यापारियों ने बताया कि इस साल नई वैरायटी के पटाखे बाजार में आई हैं। उनके मुताबिक, पिछले साल की तुलना में पटाखों के दाम में करीब 10 से 20 प्रतिशत तक उछाल आया है।

अवैध शराब के खिलाफ 30 तक चलेगा अभियान

देवास। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए दो विशेष जांच दलों का गठन किया है। गठित दलों द्वारा 30 नवम्बर तक जिले में विशेष अभियान चलाकर सघन जांच एवं कार्रवाई की जाएगी। अभियान के तहत जिले में पदस्थ सहायक जिला आबकारी अधिकारियों, आबकारी उपनिरीक्षकों, आबकारी मुख्य आरक्षकों एवं आबकारी आरक्षकों को शामिल करते हुए दो विशेष दल गठित किए गए हैं। प्रथम दल में सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप कनासे को प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस दल के कार्यक्षेत्र में देवास-अ, देवास-ब, देवास-स, टोंकखुर्द एवं सोनकच्छ वृत्त शामिल हैं। वहीं द्वितीय दल में सहायक जिला आबकारी अधिकारी महेश पटेल को प्रभारी बनाया गया है। इस दल के कार्यक्षेत्र में बागली-अ, बागली-ब, कन्नौद शामिल है।

रोजगार मेले में 102 का चयन

नवीन कॉलेज में पहुंची 7 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने लिए साक्षात्कार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। नगर के पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन महाविद्यालय में गुरुवार को रोजगार मेला लगा। इसमें सात कंपनियों ने अलग-अलग पदों के लिए युवाओं के साक्षात्कार लिए। चयन प्रक्रिया के बाद 102 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया। इस रोजगार मेले में युवाओं ने कंपनियों के प्रतिनिधियों के सामने पंजीयन कराया और साक्षात्कार सहित चयन की दूसरी प्रक्रियाओं में हिस्सा लिया। कंपनियों ने शैक्षणिक योग्यता, कौशल और काम करने की क्षमता के आधार पर आवेदकों का चयन किया।

युवा संगम में वर्धमान फेब्रिक्स बुधनी, एमकेसी आयशर देवास, पुखराज हेल्थ केयर भोपाल, पुष्कल एग्रो भोपाल, भारतीय जीवन बीमा निगम शाजापुर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस शाजापुर और एचडीएफसी शाजापुर ने हिस्सा



लिया। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत 22 और ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 67 हितग्राहियों को ऋण दिया। केंद्र के अधिकारियों ने युवाओं को स्वरोजगार ऋण योजनाओं की जानकारी भी दी। आरसेटी शाजापुर ने स्वरोजगार प्रशिक्षण के लिए 55 आवेदकों का चयन किया। स्वास्थ्य विभाग ने 52 आवेदकों का हेल्थ चेकअप किया, जबकि श्रम विभाग ने श्रम से जुड़ी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी।

करियर काउंसलिंग से मिला मार्गदर्शन

मेले में मनोवैज्ञानिकों और विषय विशेषज्ञों ने आवेदकों की करियर काउंसलिंग की। उन्हें रोजगार और करियर से जुड़े विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि युवाओं को रोजगार से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऐसे मेले लगाए जा रहे हैं। इससे उन्हें एक ही जगह अलग-अलग कंपनियों में नौकरी के अवसर मिलते हैं।

दीपावली से पहले नगर निगम कर्मचारियों को मिली सौगात, एरियर राशि और वेतन का हुआ भुगतान

देवास। दीपावली के पावन पर्व से पहले देवास नगर निगम के स्थायी एवं विनियमित कर्मचारियों के लिए खुशियों भरी खबर सामने आई है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी महासंघ शहर अध्यक्ष शंकर सांगते ने बताया कि नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने कर्मचारियों को दीपावली के पूर्व एरियर राशि सहित सभी कर्मचारियों के वेतन का भुगतान किया है। समय पर भुगतान होने से नगर निगम के कर्मचारियों में उत्साह और खुशी का माहौल है। निगम प्रशासन की ओर से बड़ी राहत और सौगात है। दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार पर कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े और वे अपने परिवार के साथ हर्षोल्लास से पर्व मना सकें, इस उद्देश्य से समय पर भुगतान किया जाना सराहनीय कदम माना जा रहा है।

संकल्प और प्रियांशी ने जीती जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। 90 दशहरा एवं कृषि कला प्रदर्शनी मीना बाजार के अंतर्गत जिला स्तरीय बेडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन लक्ष्मीनारायण भुवन क्लब पर हुआ। प्रतियोगिता में संकल्प मालवीय और प्रियांशी थपलियाल ने अपने सभी मुकाबले जीत कर प्रथम स्थान प्राप्त



किया, वही प्रतियोगिता में भाग ले रहे 12 साल के कृशांत गोल्डर ने ब्रोंज मेडल अपने नाम किया। जिसमे बालक सिंगल्स अंडर 19 वर्ग में संकल्प मालीवीय ने फाइनल मुकाबले में अथर्व तिवारी को 15/13 16/14 से व प्रियांशी थपलियाल ने अश्लेषा तिवारी को 15/7 15/12 से पराजित किया। नगर निगम द्वारा विजेता-उपविजेता खिलाड़ियो को ट्रॉफी, नगद पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

प्रतिदिन लेते है प्रशिक्षण

यह सभी खिलाड़ी एन.आई.एस कोच रोहित गुप्ता से कुशाभाऊ ठाकरे बैडमिंटन हॉल पर प्रतिदिन नियमानुसार प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। खिलाड़ियो की इस उपलब्धि पर नगर निगम सभापति रवि जैन, जिला खेल अधिकारी सेना गडरिया, अमरजीत सिंह खनूजा, पप्पी मस्कले, जावेद पठान ने शुभकामनाए प्रेषित की।

आयोजन सेनथॉम स्कूल में पाँचवाँ वार्षिकोत्सव - स्पेक्ट्रा 2026 हर्षोल्लास के साथ संपन्न

विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। सेनथॉम पब्लिक स्कूल, बद्रीधाम नगर में पाँचवाँ वार्षिकोत्सव स्पेक्ट्रा 2026 अत्यंत उत्साह एवं भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देवास की संयुक्त कलेक्टर श्रीमती विशाखा देशमुख मुख्य अतिथि के रूप में तथा क्रिस्ट सेवा केंद्र, क्षिप्रा के निदेशक रेव्ह. रिजूथॉमसजॉन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, इस दौरान कहा गया कि दीप प्रज्वलन अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान एवं विवेक के प्रकाश के प्रसार का प्रतीक है। विद्यालय के अध्यक्ष सुनील थॉमस एवं निदेशिका श्रीमती हैंसीथॉमस ने विशिष्ट अतिथियों का बाँस के पौधे एवं स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के प्रमुख



आकर्षणों में मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियाँ, स्कूल बैग के विवेकपूर्ण उपयोग पर आधारित संदेशपरक लघु नाटिका तथा हास्य एवं व्यंग्य से भरपूर मनोरंजक कवि सम्मेलन शामिल रहे।

मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

इस अवसर पर गत शैक्षणिक सत्र के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। विद्यालय की निदेशिका श्रीमती हैंसीथॉमस ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने शैक्षणिक सत्र के दौरान विद्यालय की उपलब्धियों, उल्लेखनीय प्रगति एवं महत्वपूर्ण पड़ावों का विस्तृत विवरण दिया। मुख्य अतिथि श्रीमती विशाखा देशमुख ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं कल्याण के लिए विद्यालय प्रबंधन द्वारा किए जा रहे समर्पित प्रयासों की सराहना की, वहीं, विशिष्ट अतिथि ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए युवा मंच संचालकों को बधाई दी तथा उन्हें इतना आत्मविश्वासी एवं प्रभावशाली वक्ता बनाने में विद्यालय के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण की सराहना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन होते रहने चाहिए। इन आयोजनों प्रतिभाओं को सामने आने के लिए एक मंच उपलब्ध होता है। उन्होने कहा कि छात्रों का सर्वांगीण विकास करने के लिए उन्हे शिक्षा के साथ-साथ अन्य सभी तरह की गतिविधियां करानी चाहिए। वक्ताओं के अनुसार सांस्कृतिक वैभव एवं उल्लास से परिपूर्ण इस संध्या का समापन एक यादगार अनुभव के साथ हुआ, जिसने विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं सर्वांगीण विकास के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन सुश्री अंशिकाराठौर ने किया, जबकि श्रीमती शीला वर्गीस ने आभार प्रदर्शन करते हुए सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।

अवैध कनेक्शन काटे, होगी एफआईआर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। नगर के पटेलवाड़ी में आधा दर्जन से अधिक लोगों ने पानी की मुख्य पाईप लाइन से ही सीधे कनेक्शन जोड़ लिए थे। यह कनेक्शन पूरी तरह से अवैध थे और एक तरह से यह पानी की चोरी थी। जब इसकी जानकारी नगर पालिका की जल शाखा टीम को लगी तो उन्होंने गुरूवार सुबह सभी कनेक्शन काटे और अब ऐसा करने वालों के खिलाफ एफआईआर की तैयारी की जा रही है।

दरअसल नगरपालिका की टीम को सूचना मिली थी कि गत रात पटेलवाड़ी में करीब 10 अवैध नल कनेक्शन किए गए हैं। इसके बाद गुरुवार सुबह जल शाखा की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने खुदाई कर अवैध पाइपों को मुख्य पाइपलाइन से अलग किया और सात से अधिक अवैध कनेक्शन काटे जा चुके हैं, जबकि बाकी तीन की तलाश की



जा रही है।

इन लोगों ने कराए थे अवैध नल कनेक्शन

कार्रवाई के दौरान नगरपालिका के सामने सात लोगों के नाम आए हैं। नगरपालिका के मुताबिक इन लोगों ने अपने घरों में अवैध नल कनेक्शन करवाए थे। इनमें अफजल बेग, अमन, रईस खान, असलम शाह, हुसैन खान, बाबू भाई और जफर खां शामिल हैं। टीम अन्य लोगों की जानकारी भी जुटा रही है। नगरपालिका के जल शाखा प्रभारी ऋषि पारछे ने बताया कि रात में अवैध कनेक्शन किए जाने की सूचना मिलने के बाद सुबह टीम को मौके पर भेजा गया था। अब तक सात कनेक्शन काटे गए हैं और बाकी की तलाश जारी है। पारछे ने कहा कि अवैध कनेक्शन करवाने वालों के नाम सामने आ रहे हैं। संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी। नगरपालिका ने स्पष्ट किया कि पेयजल पाइपलाइन से अवैध कनेक्शन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

धनतेरस पर उमड़ा जनसैलाब, 12 करोड़ से अधिक का कारोबार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। प्रकाश पर्व दीपावली के पावन अवसर की शुरूआत पर गुना शहर में धनतेरस का त्यौहार अत्यंत उत्साह, उमंग और भव्यता के साथ मनाया गया। शुभ मुहूर्त में खरीदारी करने के लिए सुबह से शुरू हुआ लोगों के आने का सिलसिला देर रात तक निर्बाध रूप से जारी रहा, जिससे पूरा शहर उत्सव के रंग में रंगा हुआ नजर आया। धनतेरस के इस विशेष पर्व पर शहर के प्रमुख व्यापारिक केंद्र ग्राहकों की भारी मौजूदगी से पूरी तरह खचाखच भरे दिखाई दिए। हनुमान चौराहे से लेकर सदर बाजार और निचला बाजार तक हर तरफ केवल खरीदारों का हुजूम ही नजर आ रहा था। शाम होते-होते स्थिति यह बन गई थी कि इन व्यस्ततम मुख्य मार्गों पर पैदल चलने वालों के लिए भी पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी।

व्यापारिक दृष्टि से इस वर्ष धनतेरस का पर्व गुना के बाजारों के लिए बेहद फलदायी और ऐतिहासिक साबित हुआ। बाजार के जानकारों और व्यापारिक संगठनों के अनुमान के अनुसार, इस धनतेरस पर जिले में 12 करोड़ रुपये से भी अधिक का कुल व्यापार दर्ज किया गया है। इसमें सबसे अधिक उछाल ऑटोमोबाइल और सराफा कारोबार में देखने को मिला। जिले में लगभग 5 करोड़ रुपये से अधिक के दोपहिया और चारपहिया वाहनों की बिक्री हुई, जबकि लोगों ने समृद्धि के प्रतीक स्वरूप 2 करोड़ रुपये से अधिक के सोने-चांदी के आभूषणों और सिक्कों की खरीदारी की। इसके साथ ही बर्तन बाजार में 1 करोड़ रुपये और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में भी लगभग 1 करोड़ रुपये के सामानों की बिक्री दर्ज की गई। शेष कारोबार कपड़ा, सजावटी सामान, किराना और पूजा सामग्री के क्षेत्रों में हुआ। शहर के प्रतिष्ठित और प्रमुख व्यावसायिक संस्थानों पर सुबह से ही ग्राहकों का जमावड़ा लगा रहा। आभूषणों की खरीदारी के लिए राधा ज्वैलरी, राधा ऑनरामेंट गैलरी और राधा ज्वैलर्स जैसे



बड़े प्रतिष्ठानों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी, जहाँ ग्राहकों ने पारंपरिक बर्तनों से लेकर आधुनिक डिजाइनों के आभूषणों की जमकर बुकिंग व खरीदी की।

इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए गोपाल इलेक्ट्रॉनिक्स तथा वाहनों की खरीदी के लिए गगन हीरो और वंदना टीवीएस जैसे जाने-माने शोरूमों पर दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा। लोगों ने टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, लैपटॉप और नए वाहनों की डिलीवरी ली, जिससे इन सभी बड़े प्रतिष्ठानों में देर रात तक चहल-पहल बनी रही।

पुलिस को करना पड़ी मशक्कत

बाजारों में उमड़ी इस अप्रत्याशित भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन को खासी मशक्कत करनी पड़ी। शहर की सुरक्षा और यातायात संचालन के लिए पुलिस विभाग द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। आम तौर पर जयस्तंभ चौराहा चारों तरफ से आवागमन के लिए खुला रहता है, लेकिन सुरक्षा और सुविधा के दृष्टिकोण से इस पूरे इलाके में बैरिकेड्स लगाकर वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह से वन-वे किया गया था। शहर के सबसे व्यस्ततम व्यावसायिक मार्ग लक्ष्मीगंज में चार पहिया और तीन पहिया ई-रिक्शा आदि वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गई थी, ताकि पैदल खरीदारों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

बेरीकेट्स लगाकर संभाली गई जाम की स्थिति

इसके अतिरिक्त गुरुद्वारे के सामने वाले मार्ग पर भी पुलिस प्रशासन द्वारा मजबूत बैरिकेड्स लगाए गए थे, जिससे कोई भी वाहन चालक गलत दिशा में प्रवेश न कर सके और दुर्घटना या जाम की स्थिति निर्मित न हो। पुलिस बल के जवान प्रमुख चौराहों और संकरे मार्गों पर मुस्तैदी से तैनात रहे और लगातार स्थिति पर नजर बनाए रखी।

धनतेरस पर हुए इस बंपर कारोबार और बाजारों की जबरदस्त रौनक ने स्थानीय व्यापारियों के चेहरों पर खुशी की लहर ला दी है। त्यौहार की शानदार शुरूआत के बाद अब शहर के व्यापारी वर्ग को आने वाले दीपावली पर्व पर भी इसी तरह के बेहतरीन और बड़े व्यवसाय की पूरी उम्मीद है।

स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन देने बाजार पहुंचे नपा अध्यक्ष नीरज मानोरिया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। दीपावली के पावन पर्व पर 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को प्रोत्साहित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मानोरिया ने स्थानीय बाजार पहुंचकर मिट्टी के दीपक खरीदे और आमजन से भी स्थानीय कुम्हारों एवं छोटे व्यापारियों से खरीदारी करने की अपील की।

नपाध्यक्ष मानोरिया ने कहा कि आज जब हम शहर के विकास और आत्मनिर्भरता की बात करते हैं, तो इसकी शुरूआत हमारे अपने बाजारों, स्थानीय दुकानदारों और कारीगरों को प्रोत्साहन देने से होती है। 'वोकल फॉर लोकल' केवल एक नारा नहीं, बल्कि अपने शहर की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि जब हम स्थानीय हुनरमंदों, हस्तशिल्पियों और छोटे दुकानदारों से सामान खरीदते हैं, तो हम केवल वस्तु नहीं खरीदते, बल्कि किसी परिवार की आजीविका और सपनों को भी सहारा देते हैं। इससे स्थानीय



व्यापार को बढ़ावा मिलता है और शहर की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। नगर पालिका अध्यक्ष ने सभी नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि इस दीपावली पर मिट्टी के दीपक एवं अन्य स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। अपने त्योहारों, आयोजनों और दैनिक खरीदारी में स्थानीय उत्पादों को अपनाएं। जब हमारा स्थानीय बाजार समृद्ध होगा, तभी हमारा नगर भी विकास और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा।

खेत से लौटे 50 वर्षीय किसान का घर में मिला शव

गुना। बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र गेंडबर्रा गांव से एक दुखद और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ 50 वर्षीय किसान गोपाल राजपूत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिनका शव उनके ही घर के अंदर फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। इस अचानक हुई घटना से पूरे परिवार में मातम छा गया है और गाँव में भी शोक की लहर है।



सीसी सड़क एवं आधुनिक शौचालय का हुआ लोकार्पण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। नगर पालिका परिषद द्वारा करीब 20 लाख की लागत से नवीन थोक सब्जी मंडी में सीसी सड़क निर्माण कार्य एवं 25 लाख की लागत से नवनिर्मित शौचालय का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नपाध्यक्ष नीरज मानोरिया, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज शर्मा एवं वरिष्ठ पार्षद महेंद्र भारद्वाज, विपिन शिवहरे, गोपाल ओझा, राजकुमार नगेश्री, सोनू सुमन, राकेश शर्मा मौजूद रहे।

मंडी में लंबे समय से सड़क एवं शौचालय की समस्या बनी हुई थी, जिसके कारण यहां आने वाले सब्जी व्यापारियों, किसानों एवं आम नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। परिषद द्वारा सीसी सड़क निर्माण एवं बेहतर सुविधाओं से युक्त शौचालय का निर्माण कराकर इस समस्या का समाधान किया गया है। नवनिर्मित शौचालय से मंडी में आने वाले व्यापारियों, किसानों एवं नागरिकों को स्वच्छता और सुविधा का लाभ मिलेगा। इस दौरान मानोरिया ने कहा कि नगर के प्रत्येक क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना परिषद की प्राथमिकता है। जनहित से जुड़े विकास कार्यों को निरंतर कराया जा रहा है।

हर घर दिवाली अभियान: जरूरतमंद बस्तियों में पहुंचकर बांटी मिठाई, दीपक और पटाखे

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। दीपावली का पर्व हर घर में खुशियां लेकर आए और आर्थिक अभाव के कारण कोई परिवार त्योहार की खुशियों से वंचित न रहे, इसी उद्देश्य से राज्य आनंद संस्थान के आह्वान पर जिले में 'हर घर दिवाली' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत धनतेरस से ही जिले की विभिन्न सुविधा विहीन और जरूरतमंद बस्तियों में पहुंचकर शासकीय विभागों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने परिवारों को मिठाई, फल, दीपक, पटाखे और दीपावली पर उपयोग होने वाली अन्य सामग्री भेंट की।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर साकेत मालवीय ने जिले के सभी शासकीय विभागों से अपील की थी कि वे अपने स्तर पर ऐसी बस्तियों तक पहुंचें, जहां आर्थिक और सुविधाओं के अभाव में परिवार दीपावली का पर्व उत्साहपूर्वक नहीं मना पाते। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपनी सामर्थ्य के अनुसार इन परिवारों को आवश्यक सामग्री भेंट कर उनके



साथ त्योहार की खुशियां साझा करने का आग्रह किया था।

मिठाई, पटाखे और अन्य उपहार किए भेंट

इसी क्रम में कलेक्टर साकेत मालवीय स्वयं तुलसी सरोवर पार्क के पास सीएमएचओ कार्यालय के समीप की सुविधा विहीन बस्ती पहुंचे। यहां उन्होंने परिवारों को मिठाई, पटाखे और अन्य उपहार भेंट किए। इस दौरान विधि महाविद्यालय की प्राचार्य श अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार अशोकनगर तथा राज्य आनंद संस्थान के जिला संपर्क प्रमुख सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने बस्ती के परिवारों से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं और उपहार भेंट कर त्योहार की खुशियां साझा कीं। शुक्रवार को आनंद विभाग की टीम के साथ पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी शाढ़ौरा तहसील के मुख्यावदा गांव की आदिवासी बस्ती पहुंचे। यहां उन्होंने घर-घर जाकर परिवारों को फल, मिठाई, दीपक और पटाखे वितरित किए। उन्होंने बच्चों और बस्ती के लोगों के साथ पटाखे चलाकर भी खुशियां साझा कीं। सामूहिक रूप से मनाए गए इस आयोजन से बच्चों के चेहरों पर मुस्कान दिखाई दी।जिले के कई अधिकारियों ने भी हर घर दिवाली अभियान में सक्रिय भागीदारी की उद्योग विभाग के अधिकारियों ने भोंसले गांव की आदिवासी बस्ती में दीपावली की सामग्री वितरित की।



शिमला स्वीट्स कारखाने पर मिली गंदगी, 10 हजार जुर्माना

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है। राजस्व और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने सोनी कॉलोनी स्थित शिमला स्वीट्स के कारखाने का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कारखाना परिसर में भारी गंदगी और खाद्य सामग्री का रखरखाव असुरक्षित मिलने पर अधिकारियों ने संचालक पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाते हुए सुधार-सूचना नोटिस जारी किया।

कार्रवाई के दौरान कारखाने से 'हाइड्रो' नामक रसायन बरामद हुआ, जिसका उपयोग मिठाइयों को तैयार करने में किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा टीम ने रसायन को जब्त करने के साथ ही मौके से मावा और दूध मलाई बर्फी के सैंपल भी सील किए, जिन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

मक्का खरीदकर फरार हो गया था व्यापारी गिरफ्तार

गुना। कुंभराज थाना क्षेत्र में अनाज खरीदी के नाम पर करीब 20 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले एक व्यापारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से नकदी और बैंक खाते में मौजूद सोने पर कार्रवाई करने के साथ ही उसका मंडी लाइसेंस भी निरस्त करवा दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक फरियादी देवेंद्र शर्मा ने थाना कुंभराज में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी फर्म से व्यापारी महेश शर्मा ने अभिषेक ट्रेडर्स के नाम पर 22 से 24 अक्टूबर के बीच कुल 140 टन से अधिक मक्का खरीदा था, जिसकी कीमत करीब 20 लाख रुपये थी। सात दिन में भुगतान का आश्वासन देकर आरोपी 26 अक्टूबर को अचानक घर से फरार हो गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गत 5 नवंबर की रात्रि फरार आरोपी को खटकिया से दबोच लिया। तलाशी और पूछताछ के दौरान आरोपी से 1 लाख 80 हजार रुपये नकद जप्त किए गए हैं।

11 बीघा जमीन का विवाद : भतीजों ने चाचा को मौत के घाट उतारा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले के धरनावदा गांव में जमीन के पुराने विवाद को लेकर खूनी संघर्ष का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां भतीजों ने अपने ही चाचा की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस खूनी संघर्ष में मृतक की पत्नी और एक आरोपी भी घायल हुआ है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से गांव में तनाव और मातम का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, धरनावदा गांव निवासी 58 वर्षीय गोविंद लाल लोहार पिता श्रीलाल लोहार का अपने बड़े भाई के परिवार के साथ पिछले काफी समय से 11 बीघा जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा था। गुरुवार शाम करीब 6 बजे गोविंद लाल खेत पर लगी डीपी पर तार डालकर अपनी फसल में पानी लगाने का प्रयास कर रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया।

मृतक के भतीजों बजरंग, रामविलास और कालूराम ने मिलकर अपने चाचा गोविंद लाल पर हमला बोल दिया। इस खूनी संघर्ष में बीच-बचाव करने आई मृतक की पत्नी रेखा बाई भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हमले में गोविंद लाल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर घायलों को अस्पताल पहुँचाया और मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों में से बजरंग (उम्र 30 वर्ष, पिता कालू लोहार) घायल अवस्था में मिला है, जिसका इलाज कराया जा रहा है। इसके साथ ही अन्य दो आरोपी रामविलास और कालूराम घटना के बाद से फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है।





ग्रामीणों को मिल रहा संपत्ति का कानूनी अधिकार और सम्मान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। जिले के मवासा मे विधायक अमर सिंह यादव की उपस्थिति में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं निःशुल्क पंजीयन (रजिस्ट्री) कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक ने ग्रामीणों को स्वामित्व योजना के उद्देश्य, अधिकार अभिलेख एवं निःशुल्क रजिस्ट्री की प्रक्रिया तथा इससे मिलने वाले लाभों की जानकारी दी।

इस दौरान उन्होंने किसान भाइयों एवं हितग्राहियों को स्वामित्व अधिकार अभिलेख



एवं निःशुल्क पंजीयन (रजिस्ट्री) के दस्तावेज वितरित किए एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए पटवारियों को सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। इससे ग्रामीण नागरिकों को अपनी संपत्ति का आधिकारिक दस्तावेज मिलेगा, जिससे संपत्ति संबंधी विवादों में कमी आएगी तथा बैंकिंग एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों में भी उन्हें सुविधा मिलेगी। यह योजना ग्रामीणों को अधिकार संपन्न बनाने के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है अमरसिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसान के कल्याण तथा ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक पात्र हितग्राही को योजनाओं का लाभ मिले और उसका जीवन अधिक सुरक्षित एवं संपन्न बने।

युवक की दुर्घटना में मौत

गुना। नेशनल हाईवे पर म्याना थाना क्षेत्र में भीषण सड़क दुर्घटना में भोपाल निवासी 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, भोपाल निवासी 25 वर्षीय आरिश खान ग्वालियर में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। ग्वालियर में कार्यक्रम निपटाने के बाद वह अपने रिश्तेदारों के यहाँ शिवपुरी में दो दिन रुका। इसके बाद 5 नवंबर को वह अपनी बाइक से अकेले ही भोपाल के लिए रवाना हुआ था। जैसे ही वह म्याना थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे से गुजर रहा था, किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि आरिश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)